



न्यूज ब्रीफ

कोचिंग या राजनीति में होगी पूर्व IAS दिव्या मित्तल की एंट्री? एक पोस्ट ने बढ़ाया सस्पेंस



नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की पूर्व जिलाधिकारी और चर्चित पूर्व आईएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 30 अगस्त को प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया था। इसके 14 दिन बाद 14 सितंबर को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने इसकी जानकारी एक्स हेंडल पर दी थी। इस्तीफा स्वीकार होने के बाद सोशल मीडिया पर उनके भविष्य को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं, इन दावों पर विराम लगाते हुए दिव्या मित्तल ने अपने एक्स हेंडल पर एक पोस्ट शेयर की है। जिसमें उन्होंने संकेत दिया है कि वह 29 सितंबर को सुबह अपने भविष्य के प्लान का एलान करने वाली हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में पूर्व आईएस दिव्या मित्तल ने अपनी पोस्ट में उन तमाम अटकलों और कयासों का जिक्र किया, जिसको लेकर उनके इस्तीफे के बाद से कयास लगाए जा रहे थे। उन्होंने लिखा, आगे क्या करना है? मैंने पढ़ा-बच्चे छोटे हैं। अब घर। अच्छा पैकेज मिलेगा। वापस विदेश। दूर पर किताब लिखी है। कोचिंग। टिकट पक्का हो गया होगा। राजनीति। 29 सितंबर, सुबह 8-30 बजे बताऊंगी। दिव्या मित्तल के इस पोस्ट के बाद उनके अगले कदम को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है और लोग उन्हें आगे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों ने लिखा है कि हमें इंतजार है। ऐसे में अब सभी 29 सितंबर को सुबह 8-30 बजे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जब दिव्या मित्तल स्वयं अपने अगले कदम का खुलासा करेंगी।

पैतृक मकान पर सीएम ने खुद चलाया हथौड़ा... सिंहस्थ की सड़क के लिए दिया जमीन छोड़ने का संदेश

अब्दालपुरा में अपने ही घर के प्रभावित हिस्से पर डॉ. मोहन यादव ने की तोड़फोड़ की शुरुआत- 730 मीटर सड़क 15 मीटर चौड़ी होगी, 272 भवनों पर लगे हैं लाल निशान

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के लिए शहर की सड़कों के चौड़ीकरण की कार्रवाई रविवार सुबह उस वक्त चर्चा में आ गई, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं अब्दालपुरा स्थित अपने पैतृक मकान पर पहुंचे और सड़क की जद में आ रहे हिस्से पर अपने हाथ से हथौड़ा चलाया। मुख्यमंत्री ने अपने मकान के प्रभावित हिस्से को हटाने की शुरुआत कर सड़क चौड़ीकरण में सहयोग का संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक 730 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। करीब 9.80 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट में सड़क सीमा में आने वाले 272 भवनों के हिस्सों पर लाल निशान लगाए गए हैं। शनिवार से कार्रवाई शुरू हुई थी। कई भवन मालिकों ने भी चिह्नित हिस्से अपने स्तर पर हटाना शुरू कर दिए हैं। इस बीच आज- रविवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब्दालपुरा स्थित अपने पैतृक मकान पहुंचे। सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले हिस्से पर उन्होंने स्वयं हथौड़ा चलाकर तोड़फोड़ की शुरुआत की। मुख्यमंत्री के पैतृक मकान का एक हिस्सा



सड़क की प्रस्तावित सीमा में आ रहा है। परिवार की ओर से सिंहस्थ और शहर के विकास के लिए प्रभावित हिस्सा हटाने में सहयोग किया जा रहा है।

इसी मार्ग पर मुख्यमंत्री की बड़ी बहन एवं नगर निगम सभापति कलावती यादव का मकान भी चौड़ीकरण की सीमा में बताया गया है। परिवार के स्तर पर भी प्रभावित हिस्से हटाने में सहयोग किया जा रहा है।

1974 में बना था पैतृक मकान

परिवार से जुड़ी जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दादा रामचंद्र यादव ने वर्ष 1974 में यह मकान बनवाया था। इसी मकान में परिवार के सदस्यों का बचपन बीता। वर्तमान में मुख्यमंत्री के चाचा शंकरलाल यादव का परिवार यहां निवास करता है। सड़क चौड़ीकरण में मकान का एक

हिस्सा प्रभावित हो रहा है।

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक सड़क चौड़ीकरण की स्थिति

- कुल लंबाई = 730 मीटर
- प्रस्तावित चौड़ाई = 15 मीटर
- परियोजना लागत = 9.80 करोड़ रुपए
- चौड़ीकरण की जद में = 272 भवन
- प्रभावित हिस्सों पर = लाल निशान
- मार्ग = खजूर वाली मस्जिद- अब्दालपुरा-डुङ्गजीवाजीगंज थाना- गणेश चौक

पहले ही की जा चुकी मार्किंग और नपती

सड़क सीमा निर्धारित करने के लिए नगर निगम की टीम पहले ही भवनों की नपती कर चुकी है। अब चिह्नित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई चल रही है। कई लोगों ने प्रशासन की

कार्रवाई का इंतजार करने के बजाय अपने स्तर पर ही प्रभावित निर्माण हटाना शुरू कर दिया है।

सिंहस्थ से पहले पुराने शहर को चौड़ा करने की तैयारी

सिंहस्थ-2028 के दौरान उज्जैन में लाखों श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुराने शहर के संकरे मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है। खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक का मार्ग भी इसी योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। चौड़ीकरण के बाद सड़क की निर्धारित चौड़ाई 15 मीटर होगी, जिससे यातायात संचालन के लिए अतिरिक्त जगह उपलब्ध होगी।

इधर आज सुबह पैतृक मकान पर मुख्यमंत्री का खुद हथौड़ा चलाना इस चौड़ीकरण कार्रवाई का प्रमुख दृश्य रहा। मुख्यमंत्री ने अपने मकान से प्रभावित हिस्सा हटाकर यह स्पष्ट संदेश दिया कि सिंहस्थ की तैयारियों में प्रस्तावित सड़क सीमा में आने वाले निर्माण को हटाने की प्रक्रिया में उनका परिवार भी शामिल है।

अमलतास
सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देवास

जहाँ सेवा है समर्पण,
वहीं मिलता है
बेहतर उपचार।



सरकारी एवं स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठायें, उच्च गुणवत्ता का उपचार बिना बाधा के पाए।
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक निशुल्क इलाज एवं सर्जरी

विशेषताएँ:

लगभग 1460
बेड्स की क्षमता

24x7 आपातकालीन
एवं ट्रॉमा सेवाएँ

अनुभवी सुपर स्पेशलिटी
विशेषज्ञ टीम

लगभग 120 अत्याधुनिक
क्रिटिकल केयर / ICU बेड्स

उन्नत आईसीयू एवं क्रिटिकल केयर सुविधाएँ,
एडवांस्ड मोनिटरिंग, सेन्ट्रल ऑक्सीजन एवं लाइफ
सपोर्ट सिस्टम के साथ

कार्डियोलॉजी
(हृदय रोग)

न्यूरोलॉजी

नेफ्रोलॉजी
(किडनी रोग)

प्लास्टिक एवं
रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

हेयर
ट्रांसप्लांट

अमलतास
आई. वी. एफ
सेन्टर

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

ऑन्कोलॉजी
(कैंसर रोग)

ऑर्थोपेडिक्स
(रोबोटिक सर्जरी)

यूरोलॉजी

बैरिएट्रिक
सर्जरी

नशा मुक्ति
केंद्र



1800-571-2120

ग्राम बांगर, देवास-उज्जैन हाईवे, देवास (म. प्र.) 455001

नोट - इस पेपर की कटिंग साथ लाने पर सभी उपचार पर विशेष छुट, प्रत्येक बुधवार को एम आर आई एवं सी टी स्कैन जाँच पर 50% की छुट

भाजपा की कामकाजी बैठक सम्पन्न, ‘सेवा मेरा योगदान’ अभियान को लेकर कार्यक्रम तय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा इंदौर नगर की कामकाजी बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हांडिया, मधु वर्मा, कार्यक्रम संयोजक जीतू जिराती, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुद्रा शास्त्री, एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह गुड्डु, प्रिया डंगी, कमल वाघेला और दीपक जैन टीनु सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ‘सेवा संकल्प’ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के अंतर्गत 2 अक्टूबर को सभी वार्डों में ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसमें वार्ड के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता सहभागिता करेंगे।

उन्होंने बताया कि 3 अक्टूबर को मंडल इंदौर से 24 रूटों पर चलीं 96 बसें, साढ़े दस हजार यात्रियों ने की यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की भोपाल से शुरुआत होने के बाद शनिवार को इंदौर से इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों का संचालन शुरू हुआ। शनिवार को पहले दिन इंदौर से अन्य शहरों के लिए 24 रूटों पर 96 बसें रवाना हुई। इन बसों में साढ़े दस हजार यात्रियों ने यात्रा की।

इसमें अधिकारिता रूट पहले से संचालित हो रहे थे, जिनको अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत संचालित किया जा रहा है। वहीं आगामी दिनों में इन रूटों पर इलेक्ट्रिक बसें भी दिखाई देंगी और अन्य रूटों पर भी बस सेवा का शुभारंभ होगा। इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों का संचालन किया जाएगा एआईसीटीसीएल द्वारा पहले से संचालित बसों का पूरा सिस्टम अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत कार्य करने लगा है। इस सेवा में अब इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों का संचालन किया जाएगा। पुराने और नए रूट को जोड़कर सुगम बस सेवा का पूरा सिस्टम कार्य करेगा। 180 बसों में मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा की ब्रांडिंग की गई है-इसमें 180 बसों में मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा की ब्रांडिंग की गई है और यह बसें सड़कों पर दौड़ने लगी हैं। बस सेवा का नेटवर्क शहरी क्षेत्र के साथ ही अन्य शहरों के लिए बढ़ाया जाएगा। सुगम परिवहन सेवा में पहले दिन इंदौर से धार, अशोकनगर, खंडवा, बुरहानपुर, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, सागर, मुलताई और भोपाल सहित अन्य शहरों के लिए रवाना हुईं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की मनसा है कि प्रदेश के 75 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों को बस सेवा के तहत जोड़ा जाए, ताकि आमजन को सुगम परिवहन की सुविधा मिल सके।

चोरल नदी में इंदौर का युवक डूबा, दोस्तों के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जित करने गया था



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर निवासी एक युवक की चोरल नदी में डूबने से मौत हो गई। वह खजराना क्षेत्र में रहता था और कॉलोनी के 30 से ज्यादा लोगों के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जित करने गया था। विसर्जन से पहले ही कुछ युवक नदी में नहाने लगे। उनमें रक्षक भी शामिल था, लेकिन उसे तैरना नहीं आता था। नदी के गहरे हिस्से में जाने के बाद वह डूबने लगा, लेकिन उसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं गया, क्योंकि ज्यादातर साथी गणेश विसर्जन की तैयारी में लगे थे।

रक्षक अपने परिवार के साथ इंदौर में रहता था। उसके पिता मूलतः टांडा गांव के हैं और मिस्त्री का काम करते हैं। युवक ने 12 दिनों तक कॉलोनी के गणेशोत्सव में भाग लिया था और विसर्जन के लिए भी वह साथियों के साथ गया था, लेकिन हृदय रोग से उसकी मौत हो गई। वह तीन बच्चों में सबसे बड़ा था। उसका एक छोटा भाई और एक बहन है।

इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र में रहने वाले नवीन नामक युवक की साढ़े दस हजार यात्रियों ने की यात्रा



स्तर पर स्वास्थ्य शिविर, 4 अक्टूबर को वृद्धाश्रम एवं अनाथालय में सेवा कार्य, 6 अक्टूबर को विधानसभा स्तर पर नेत्र परीक्षण शिविर, 9 अक्टूबर को युवा मोर्चा द्वारा वृक्षारोपण एवं सैनिक सम्मान तथा 10 अक्टूबर को विधानसभा स्तर पर कॉपी विरारण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा वृद्धाश्रम और अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा अनाथालय में सेवा कार्य किए जाएंगे।

मिश्रा ने बताया कि 7 अक्टूबर को ‘सेवा ज्योति यात्रा’ निकाली जाएगी। यह यात्रा

प्रत्येक बूथ से शुरू होकर वार्ड, मंडल और विधानसभा स्तर से होते हुए जिला स्तर की यात्रा में शामिल होगी। प्रत्येक बूथ से 10-10 लाभार्थी कार्यकर्ताओं के साथ बाइक पर सवार होकर यात्रा में शामिल होंगे। निर्धारित समय पर होने वाली इस यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी

देशभर में जुड़ेंगे।

अभियान संयोजक जीतू जिराती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा कार्यों से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के कार्यकाल में जनसेवा, सुशासन और विकास के क्षेत्र में कार्य किए गए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसी सेवा भाव के साथ अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

पूर्व पार्षद जवाहर मंगवानी ने ‘कहानी बदलाव की’ कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन,

कृषि विभाग तलाश रहा कम पानी वाली फसलें, कमजोर बारिश ने बढ़ा दी चिंता, अच्छी पैदावार पर संकट



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कम वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए खेती की तैयारियों के सिलसिले में संभागीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कृषि विभाग सहित सहकारिता, मंडी और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य अल्प वर्षा के प्रभाव से निपटने और किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करने की रणनीति तैयार करना रहा।

संयुक्त संचालक कृषि जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि बैठक में हमने विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। कृषि आदान व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में दलहन और तिलहन की फसलों का रकबा बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त किसानों को समय पर सही तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया ताकि वे फसल चयन और जल प्रबंधन को लेकर सही निर्णय ले सकें। बैठक में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और परंपरागत कृषि विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। जैविक और प्राकृतिक उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी जिलों में संचालित हाट बाजारों के व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण संचालन के कड़े निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को हर संभव सहायता और बाजार से जुड़ाव प्रदान करें।

विश्व पर्यटन दिवस पर इंदौर एयरपोर्ट एवं मांडू में पर्यटकों का पारंपरिक स्वागत

भारत पर्यटन इंदौर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में पर्यटकों को भेंट की गई अतुल्य भारत की सामग्री एवं उपहार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारत पर्यटन इंदौर द्वारा पर्यटन हितधारकों ज़रू एवं छत्रछह के सहयोग से देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल, इंदौर तथा ऐतिहासिक पर्यटन नगरी मांडू में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें अतुल्य भारत से जुड़ी सामग्री एवं आकर्षक उपहार भेंट किए गए। मांडू स्थित ऐतिहासिक जहाज महल परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (स्टू) के सहयोग से स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया।

इंदौर एयरपोर्ट पर पर्यटकों का पारंपरिक स्वागत- विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर



देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल, इंदौर पर आयोजित कार्यक्रम में आमजन करने वाले यात्रियों का तिलक लगाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। इस दौरान पर्यटकों को सरप्राइज गिफ्ट के रूप में स्वीट टॉफी, अतुल्य भारत प्रिंटेड टी-शर्ट, लैपटॉप बैग, कॉफी मग तथा ज़रू की ओर से हैप्पी विश्व पर्यटन दिवस संदेश अंकित सिपर बोटल प्रदान की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटकों का स्वागत कर उन्हें सुखद अनुभव प्रदान करना तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की विविधताओं से परिचित कराना था। इस अवसर पर भारत पर्यटन इंदौर के सहायक निदेशक श्री ए.गोपाल, एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री अतुल सिंह, श्री हेमंद सिंह एवं श्री अमित नवलानी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ऐतिहासिक जहाज महल, मांडू में पर्यटकों का स्वागत एवं स्वच्छता अभियान- ऐतिहासिक पर्यटन नगरी मांडू के प्रसिद्ध जहाज महल स्मारक पर भी विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां आने वाले पर्यटकों का तिलक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजवाड़ा चौक पर सिटी बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत और दो लोगों के घायल होने की घटना के बाद इंदौर शहर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बस सेवा के संचालन और बसों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने घटना को लापरवाही का नतीजा बताते हुए मुक्त के परिजन को एक करोड़ रुपये और घायलों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। चिंटू चौकसे ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा में खतरा बसों के संचालन के कारण हृदयों का सिलसिला शुरू हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजवाड़ा पर हुई घटना बस संचालन में बरती जा रही लापरवाही का



परिणाम है। घटना के बाद चौकसे एमवाय अस्पताल पहुंचे और हृदय से घायल दोनों लोगों से मुलाकात की। उन्होंने घायल व्यक्तियों और उनके परिवारों से घटना की जानकारी ली। चौकसे ने मुताबिक घायलों में एक ऑटो रिक्शा चालक है, जबकि दूसरा फार्मा कंपनी में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा चौक पर हुई यह घटना बेहद गंभीर है और इससे बड़ी जनहानि भी हो सकती

थी। चौकसे ने आरोप लगाया कि इंदौर की सिटी बस कंपनी, जो अब मुख्यमंत्री बस परिवहन सेवा का हिस्सा है, उसके अधिकारियों द्वारा बस संचालन की व्यवस्था में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज की घटना इंदौर की जनता के लिए चेतावनी है और बस सेवा के संचालन की व्यवस्था को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य सरकार से हृदय में जान गंवाने वाले युवक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की। साथ ही उन्होंने दोनों घायलों का बेहतर अस्पताल में उपचार कराने और प्रत्येक घायल को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर हृदय से के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138 वें संस्करण का प्रसारण



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को महाकाल मंदिर परिसर, उज्जैन से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीयजनों के साथ सामूहिक श्रवण किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात के 138वें संस्करण में मध्यप्रदेश के कुछ नौजवानों द्वारा नदी की सफाई के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं ने छोटे से प्रयास से शुरुआत की और धीरे-धीरे समाज के अन्य लोग भी इससे जुड़ते गए। प्रधानमंत्री ने इसे जनभागीदारी की जीवंत मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के ऐसे प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं, बल्कि समाज को सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास भी कराते हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को स्वच्छता अभियान से जुड़ने और अपने आसपास के प्राकृतिक जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी के उल्लेखनीय प्रयासों का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश के युवाओं द्वारा नदी स्वच्छता के लिए किए जा रहे सराहनीय प्रयासों को विशेष रूप से साझा किया। साथ ही नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, पोषण, खेल प्रतिभाओं को अवसर देने और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरणादायी विचार रखे।

इंदौर में 40 लाख की 9360 गर्भपात किट मिलीं, धारकोटी स्थित गोदाम पर हुई कार्रवाई से मिले सुराग



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लसूडिया मोरी स्थित मोदी बद्रस एमोसिएट्स पर शनिवार को औषधि विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान फर्म के गोदाम में सेफ-टी किट की 9360 किट मिलीं। विभाग के अनुसार इनकी बाजार कीमत करीब 40 लाख रुपये है। औषधि निरीक्षक योगेश गुप्ता, लोकेश गुप्ता और सारिका अग्रवाल की टीम ने फर्म के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड की जांच की। फर्म की ओर से कुछ ही विक्रय रिकॉर्ड प्रस्तुत किए गए। उपलब्ध दस्तावेजों में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से संबंधित बिल मिले। इनकी जानकारी मुख्यालय भोपाल भेजी गई। इसके बाद औषधि नियंत्रक के निर्देश पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में संबंधित फर्मों और प्रतिष्ठानों की जांच शुरू कर दी गई है।

विभाग इन किट के क्रय-विक्रय से जुड़े दस्तावेजों और बिलों का सत्यापन कर रहा है- प्रारंभिक रिकॉर्ड की जांच में फर्म द्वारा करीब 1 लाख 75 हजार सेफ-टी किट की खरीद और बिक्री किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब विभाग इन किट के क्रय-विक्रय से जुड़े दस्तावेजों और बिलों का सत्यापन कर रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किट किन जिलों और किन प्रतिष्ठानों तक पहुंची।

नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी- अधिकारियों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। करीब दो दिन पहले धारकोटी स्थित गोदाम पर हुई औषधि विभाग की कार्रवाई के दौरान मिले सुराग के आधार पर ही लसूडिया मोरी स्थित फर्म तक जांच पहुंची थी। इसके बाद अब पूरे प्रदेश में कार्रवाई जारी है।

ट्रेन ठहराव की मांग : संपूर्ण बंद रहा मल्हारगढ़, रैली निकाली, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ नगर के रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण एक्सप्रेस एवं अन्य ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर रेल रोकों संघर्ष समिति के आह्वान पर रविवार को मल्हारगढ़ नगर पूर्णतः बंद रहा। नगर के व्यापारियों, होटल व्यवसायियों एवं दुकानदारों ने स्वेच्छा से प्रतिष्ठान बंद रखकर समिति की मांगों का समर्थन किया। सुबह से ही बाजार की अधिकांश दुकानें बंद रहीं। नागरिकों ने इसे क्षेत्र की यात्री सुविधा से जुड़ी मांग बताते हुए आंदोलन का समर्थन किया। नगर का मुख्य बाजार भी बंद रहा। दोपहर करीब तीन बजे नागरिक बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। यहां से वाहनों के साथ रैली के रूप में रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्टेशन परिसर में नारेबाजी के बाद रेल रोकों संघर्ष समिति की ओर से स्टेशन अधीक्षक को डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि करीब एक माह पूर्व भी ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर



रेलवे प्रशासन को ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे क्षेत्रवासियों में नाराजगी है। समिति ने कहा कि मल्हारगढ़ विधानसभा मुख्यालय का प्रमुख रेलवे स्टेशन होने के बावजूद कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं है। इसके कारण मल्हारगढ़ सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए मंदसौर,

नीमच, रतलाम अथवा अन्य स्टेशनों तक सड़क मार्ग से जाना पड़ता है। इससे यात्रियों का अतिरिक्त समय और परिवहन खर्च बढ़ता है। इन ट्रेनों के ठहराव की मांग – इंदौर-असारवा एक्सप्रेस- मंदसौर-कोटा एक्सप्रेस (19815/16) के ठहराव की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। समिति ने बताया कि मल्हारगढ़ स्टेशन आसपास के अनेक गांवों के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है। क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों, नगर निकायों एवं सामाजिक संगठनों की ओर से भी ट्रेन ठहराव की मांग के समर्थन में रेलवे प्रशासन को पत्र दिए जा चुके हैं। समिति ने रेलवे प्रशासन से यात्री सुविधा एवं क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। समिति ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे भी चरणबद्ध तरीके से जारी रखा जाएगा। ज्ञापन का वाचन अशोक विजयवर्गीय ने किया। संचालन दरबार सिंह ने किया, जबकि आभार विनोद गंधर्व ने माना। इस दौरान नगर एवं आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशन मल्हारगढ़ और पिपलिया पर रेल सुविधाओं एवं ट्रेनों के ठहराव को लेकर पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और रेल मंत्रालय से मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है। डॉ. जाजू ने कहा कि मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा करते हैं। वहीं मंदसौर जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश दीक्षित मल्हारगढ़ क्षेत्र से हैं तथा सांसद सुधीर गुप्ता एवं राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर भी क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके बावजूद मल्हारगढ़ और पिपलिया रेलवे स्टेशनों पर लंबे समय से चली आ रही विभिन्न रेल सुविधाओं की मांगों पर अपेक्षित

कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्रवासियों में निराशा है। उन्होंने कहा कि मल्हारगढ़ तहसील मुख्यालय है और मध्यप्रदेश के मंदसौर-नीमच जिलों के साथ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के करीब 150 गांवों एवं विभिन्न नगर पंचायतों से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र के ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए रेल आवागमन का सस्ता और सुविधाजनक साधन है। उज्जैन, रतलाम, चित्तौड़गढ़, उदयपुर एवं अहमदाबाद सहित अन्य शहरों तक आवागमन के लिए रेल सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. जाजू ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इंदौर-असरवा (अहमदाबाद) ट्रेन तथा उज्जैन-चित्तौड़गढ़ मेमू ट्रेन के

मल्हारगढ़ स्टेशन पर ठहराव की मांग कर रहे हैं। क्षेत्र के लोगों द्वारा विधायक एवं उपमुख्यमंत्री तथा सांसदों के समक्ष भी इस मांग को रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक माह से मल्हारगढ़ रेल रोकों संघर्ष समिति द्वारा चरणबद्ध गांधीवादी आंदोलन के माध्यम से ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाई जा रही है। उनके अनुसार आंदोलन के बावजूद अब तक मांगों पर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। इसी के विरोध में संघर्ष समिति द्वारा मल्हारगढ़ बंद का आह्वान किया गया है। पूर्व विधायक जाजू ने जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की कि मल्हारगढ़ और पिपलिया मंडी की रेल संबंधी समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर लंबित मांगों को रेल मंत्रालय के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाए तथा क्षेत्रवासियों को ट्रेनों के ठहराव सहित आवश्यक रेल सुविधाओं का लाभ दिलाया जाए।

नाहरगढ़ पुलिस ने 4 विक्टल डोडाचूरा लेकर भाग रहे आरोपी को स्कॉर्पियो सहित दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में नाहरगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी के नेतृत्व में उनकी टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मुखबिरी पर कचनारा-विशनिया रोड पर नाकाबंदी कर राजस्थान निवासी एक आरोपी को 4 क्रिंटल अवैध डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से स्कॉर्पियो वाहन भी जप्त किया गया है। जप्त माल की कुल कीमत 28 लाख रुपये आंकी गई है। थाना नाहरगढ़ में पदस्थ कार्यवाहक सजिन सीताराम शर्मा को 26 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओरिसियां, जौपुर



(राजस्थान) निवासी जवाहरीलाल विश्नोई पिता चौथराम विश्नोई अपनी काले रंग की स्कॉर्पियो एमपी 13 एजी 0627 में भारी मात्रा में डोडाचूरा भरकर कचनारा की तरफ से राजस्थान भागने की फिराक में है। आरोपी ने लाइनिंग वाली सफेद शर्ट और नीली जींस पहन रखी थी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी ने तत्काल टीम गठित की। टीम ने फतेहगढ़ हनुमान मंदिर

के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद कचनारा तरफ से आ रही सदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें 4 क्रिंटल डोडाचूरा भरा मिला। मामले में एनडीपीएस एक्ट के नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आरोपी को खिलाफ धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी से डोडाचूरा तस्करी के नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना, अति. पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल एवं एसडीओपी ग्रामीण के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में थाना नाहरगढ़ टीम की सराहना की जा रही है।

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश और राजस्थान के राजनैतिक व सामाजिक रिश्तों में उस वक्त एक ऐतिहासिक और भावुक अध्याय जुड़ गया, जब राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की नवनिर्वाचित बिजौलिया नगर पालिका की प्रथम चेयरमैन स्नेहा तिवारी (तिवारी) चेयरमैन बनने के बाद पहली बार अपने निनिहाल सिंगोली पहुंचीं। उल्लेखनीय है कि बिजौलिया को नया नगर पालिका क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद यहीं के इतिहास में प्रथम चेयरमैन बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य स्नेहा तिवारी को प्राप्त हुआ है।सिंगोली नगर परिषद के प्रथम चेयरमैन स्व. जगदीश जी तिवारी की दोहली (नातिन) स्नेहा तिवारी का नगर में प्रवेश करते ही आम जनता, भाजपा नेताओं और प्रबुद्ध जनों ने ऐतिहासिक स्वागत-सत्कार किया। एक

गया। यहाँ विप्र बंधुओं, मातृशक्ति और क्षेत्र के भाभाशालों ने पारंपरिक रीति-रिवाज से तिलक लगाकर, साफा व शॉल ओढ़कर और पुष्पवर्षा कर अपनी लाडली भांजी का आत्मीय अभिनंदन किया। भाजपा कद्दावर नेता दिनेश जोशी ने कहा- 'वह हमारी पारिवारिक विरासत और संस्कारों की जीत- स्वागत सत्कार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता दिनेश कुमार जोशी ने स्नेहा तिवारी का आत्मीय स्वागत करते हुए मंच से एक बेहद प्रभावशाली और प्रेक रसोधान दिया। जोशी ने स्व. जगदीश जी तिवारी के जनसेवा के ऐतिहासिक दौर को याद करते हुए कहा कि आज उनकी दोहली ने राजस्थान की वीर भूमि पर नगर पालिका घोषित होने के बाद प्रथम चेयरमैन बनकर सिंगोली की माटी का गौरव पूरे

देश में बढ़ाया है। उन्होंने स्नेहा तिवारी को बिजौलिया के समग्र विकास और जन-आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए राजनैतिक संबल और मार्गदर्शन दिया। गरिमामयी आयोजन में रहे मौजूद- इस भव्य अभिनंदन समारोह में सिंगोली नगर की पूर्व चेयरमैन सुनीता राजकुमार मेहता, भाजपा जिला महामंत्री अशोक विक्रम सोनी, प्रबुद्ध नागरिक बाबूलाल शर्मा, भगवतीलाल कंठाउड्ड ने भी नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान पारिवारिक सदस्य चंद्रशेखर तिवारी, शंभूलाल तिवारी, आशुतोष तिवारी सहित नगर के सैकड़ों गणमान्य नागरिक, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में स्नेहा तिवारी के उज्ज्वल राजनैतिक भविष्य की मंगलकामना की।

डोडाचूरा प्रकरण को लेकर किसानों के बीच पहुंचे जोकचंद, बोले-किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के आकोदड़ा गांव में डोडाचूरा प्रकरण को लेकर किसानों के बीच किसान नेता श्यामलाल जोकचंद पहुंचे। ग्राम आकोदड़ा के बाबा रामदेव मंदिर चौक गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जोकचंद ने किसानों से चर्चा की और प्रकरण को लेकर अपनी बात रखी। जोकचंद ने कहा कि डोडाचूरा प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15/29 के तहत मामले दर्ज होने को लेकर किसानों में चिंता है। उन्होंने कहा कि मल्हारगढ़ सहित मंदसौर- नीमच अंचल में बड़ी संख्या में किसान अप्रोम की खेती से जुड़े हैं। किसानों का कहना है कि डोडाचूरा से जुड़े मामलों में निदोष किसानों को भी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान अन्रदाता है, उसे अपराधी की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। प्रशासन को मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आकोदड़ा सहित क्षेत्र के किसानों से कहा कि वे घबराएं नहीं और एकजुट रहें। जोकचंद ने कहा कि वे किसानों की समस्या को वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन स्तर तक पहुंचाएंगे। इस दौरान आकोदड़ा गणेश उत्सव समिति के स्वागतकर्ता मुकेश यादव, ग्राम पंचायत आकोदड़ा के उपासक साहू शिवलाल सोनावत सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण मौजूद रहे। किसानों ने जोकचंद द्वारा उनकी समस्या उठाए जाने का स्वागत किया।

मॉर्निंग वॉक ग्रुप सदस्य वर्मा को हार्ट अटैक आया, साधियों ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, शोक सभा में दी श्रद्धांजलि



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मानवता की मिसाल देखने को मिली। मॉर्निंग वॉक ग्रुप के सदस्य किशनलालजी वर्मा के निधन पर ग्रुप द्वारा शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर 2026 को प्रातः मॉर्निंग वॉक के दौरान श्री वर्मा जी को अचानक हार्ट अटैक आ गया। मौके पर मौजूद साधियों ने उन्हें बचाने के लिए तत्परता दिखाई। पूर्व टीआईएम.पी. सिंह परिहार और फुंदासिंह सिसौदिया ने तुरंत सीपीआर दिया। पूर्व सब इंस्पेक्टर शंभू सिंह चुंडावत अपनी कार लेकर आए, जबकि दिलिपुश मकवाना पानी लेकर पहुंचे। विनोद रामावत, भूरियाजी, राजेंद्र शर्मा, परमेश्वर बैरागी सहित अन्य सदस्यों के सहयोग से उन्हें तत्काल सिद्धि विनायक अस्पताल ले जाया गया, परंतु चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। 27 सितम्बर की सुबह मॉर्निंग वॉक स्थल पर सभी सदस्यों ने स्व. वर्मा जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की कामना की।

महिला-बाल विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग की सेवाओं से सबका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित : कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत अलकापुरी कान्युनिटी हॉल में कैबिनेट मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के मुख्य आतिथ्य में आंगन मिलन उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया।

कुपोषण से मुक्त हुए बच्चों को सुपोषित आहार प्रदान किया गया तथा लाइली बहनों का भी सम्मान किया गया। तीनों विभाग सीधे जनकल्याण से जुड़े, इनकी सेवाओं से होगा सर्वांगीण विकास का इच्छा अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य तथा शिक्षा विभाग जनकल्याण से सीधे जुड़े हुए हैं और इनकी पहुंच जन-जन तक है। यदि इन तीनों विभागों की सेवाएं समाज को

बेहतर रूप से मिलती रहेंगी, तो सभी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को किस प्रकार पोषण दिया जाना चाहिए, इस संबंध में सक्षम नागरिकों को भी जागरूक किया जाए, तो कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं रहेगा। मिलेट्स एवं संतुलित आहार की पोषण प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही- कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मिलेट्स एवं अन्य पौष्टिक सामग्री से तैयार खाद्य पदार्थों

की पोषण प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। श्री काश्यप ने कहा कि यदि पौष्टिक एवं संतुलित आहार को दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो बच्चों को कुपोषण से बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। कार्यक्रम में महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, आरडीए अध्यक्ष मनोहर पोरवाल, कलेक्टर अजय अट्टेसरिया, जिला विकास सलाहकार समिति

सदस्य प्रदीप उपाध्याय, क्रांति जोशी, अनीता कटारिया, जयवंत कोटारी, पवन सोमानी, अनुज शर्मा, जुबिन जैन, संदीप यादव, मयूर पुरोहित, सोना शर्मा, नंदकिशोर पंवार, मंडल महामंत्री हेमंत राहोरी, सुबेन्द्र सिंह गुर्जर, भगत सिंह भटौरिया, पुष्प पुरोहित, देवशी पुरोहित, निशा सोमानी, शक्ति सिंह राठौर, एक्टरमैन पूजा बोहरा, कविता चौहान, हिना मेहता, शबाना खान, धीरज कुंवर राठौर सहित कार्यक्रम का संचालन दिव्या शर्मा ने किया।

सदस्य प्रदीप उपाध्याय, क्रांति जोशी, अनीता कटारिया, जयवंत कोटारी, पवन सोमानी, अनुज शर्मा, जुबिन जैन, संदीप यादव, मयूर पुरोहित, सोना शर्मा, नंदकिशोर पंवार, मंडल महामंत्री हेमंत राहोरी, सुबेन्द्र सिंह गुर्जर, भगत सिंह भटौरिया, पुष्प पुरोहित, देवशी पुरोहित, निशा सोमानी, शक्ति सिंह राठौर, एक्टरमैन पूजा बोहरा, कविता चौहान, हिना मेहता, शबाना खान, धीरज कुंवर राठौर सहित कार्यक्रम का संचालन दिव्या शर्मा ने किया।

पिपलिया-खात्याखेड़ी मार्ग पर सड़क से लगी तलैया दे रही हदसे को न्योता, रेलिंग लगाने की मांग



वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई है। यहां सड़क पर मोड़ होने के बावजूद सुरक्षा के लिए रेलिंग या संकेतक नहीं लगे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। जिला कोषी महासचिव अनिल शर्मा ने बताया कि इस मार्ग से फोरलेन से खाल्याखेड़ी, बरखेड़ापथ, मल्हारगढ़, नीमच-मंदसौर के अलावा कृषि उपज मंडी पिपलिया आने-जाने वाले किसान और अन्य वाहन चालक प्रतिदिन गुजरते हैं। सड़क के किनारे स्थित तलैया और मोड़ के कारण विशेषकर रात के समय वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ जाता है। शर्मा ने बताया कि मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन आवागमन करते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से किसी भी समय गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने नगर पंचायत सीएमओ से मांग की है कि तलैया के आसपास रैंडियम लगी सुरक्षा रेलिंग लगाई जाए तथा आवश्यक संकेतक लगाए जाएं, ताकि वाहन चालकों को दूर से ही खतरे का पता चल सके और संभावित हादसे को रोका जा सके।

हैदरवास में फिर लौटा तेंदुआ, मवेशी को बनाया निवाला, दहशत में ग्रामीण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से सटे हाईवे किनारे स्थित ग्राम हैदरवास क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मच गया है। रात के अंधेरे में बाढ़े में बंधे मवेशी पर तेंदुए ने हमला कर शिकार कर लिया। सुबह मौके पर तेंदुए के पंजों के निशान मिलने के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह जब ग्रामीण खेत पर पहुंचे तो मवेशी मृत पड़ा था और आसपास तेंदुए के पैरों के निशान साफ दिखाई दे रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ संजय रायखेरे सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और रात में अकेले खेत पर न जाने की हिदायत दी है। साथ ही क्षेत्र में पिंजरा लगाने और गश्त बढ़ाने की बात कही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द तेंदुए को पकड़ने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

सम्पादकीय

कच्चे तेल की कीमतें बनीं दुनिया का सबसे बड़ा

अप्रत्याशित आर्थिक कारक, बढ़ी बाजार की अनिश्चितता

कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ईरान और अमेरिका की जंग जिसके खत्म होने की उम्मीद जताई जा रही थी वह पिछले कुछ सप्ताहों से फिर जोर पकड़ रही है। अगस्त में यह 80-90 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। परंतु अब इस तरह का बदलाव अस्वाभाविक नहीं रह गया है। तेल और गैस बाजार अब अतीत के कई दशकों की तुलना में कहीं अधिक अप्रत्याशित हो चुका है। इसके लिए कई कारक जिम्मेवार हैं।सबसे बड़ा और सबसे अप्रत्याशित रूझान लोकलुभावन नीतियों पर चलने वाले और अधिनायकवादी नेताओं का व्यवहार है। पहला बड़ा झटका 2022 में रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के यूक्रेन पर हमला करने के फैसले से लगा। इसके चलते प्राकृतिक गैस की कीमतें आसमान छू गईं। इसके बावजूद काफी मुश्किल से हासिल हुई स्थिरता लौटती हुई दिखाई दे रही थी। लेकिन इसी साल की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जंग छेड़ने का फैसला कर लिया।

दोनों ही मामलों में उम्रदराज नेता, चाहे वे अलग-थलग हों या आसानी से प्रभावित होने वाले, वे ऐसा मानते दिखाई दिए कि दूसरा पक्ष जवाबी कार्रवाई में संश्रम नहीं होगा और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा। इसके अलावा ऐसा लगता है कि पुतिन ने रूसी तेल और गैस के निर्यात पर लगाए जाने वाले व्यापक और लंबे समय तक चलने वाले प्रतिबंधों को अपने आकलन में शामिल ही नहीं किया।

लेकिन ऐसा भी नहीं था कि जब कोई विश्व नेता जानबूझकर बाजारों में खेलन नहीं डाल रहा था तब बाजार बहुत अच्छी तरह काम कर रहे थे। उदाहरण के लिए 2024 के अंत में ज्यादातर अनुमान यह थे कि अगले साल यानी 2025 के दौरान तेल की कीमत करीब 75 डॉलर प्रति बैरल रहेगी लेकिन हकीकत में यह 68 डॉलर रही।

2026 के लिए तेल की कीमत का अनुमान करीब 61 डॉलर प्रति बैरल था लेकिन पूरे साल के दौरान वायदा बाजार में यह आंकड़ा इसके दोगुने तक पहुंचने की आशंका पैदा हुई है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में लगाए गए प्रतिबंधों और रूस के सामने अपने तेल और गैस को बाजार तक पहुंचाने में बनी हुई मुश्किलों के अलावा अब हूती विद्रोहियों के कारण लाल सागर के भी बंद होने की आशंका के बीच पूर्वानुमान लगाने वालों को कई अन्य जटिलताओं को भी अपने आकलन में शामिल करना पड़ता है।

साल की दूसरी तिमाही में चीन ने कच्चे तेल का आयात प्रतिदिन करीब 35 लाख बैरल घटा दिया जो 2025 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 30-32 फीसदी की गिरावट है। कुछ लोगों का मानना है कि इसका मतलब यह है कि चीन के पास कच्चे तेल का वाणिज्यिक और रणनीतिक भंडार पहले के अनुमान से कहीं अधिक है।

दूसरों का मानना है कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था के व्यापक विद्युतीकरण का लाभ उठाते हुए तेल की मांग घटा रहा है या रूस के उस तेल और गैस को आयात करने के नए रास्ते तलाश रहा है जो अन्त्या बाजार में उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। लेकिन किसी भी स्थिति में यह पता नहीं है कि चीन कितने समय तक तेल के आयात को इस तरह दबाए रख सकता है या फिर रणनीतिक रूप से मांग में इस मौजूदा कमी का कोई स्थायी परिणाम यह होगा कि चीन की मुख्य भूमि की तेल आयात भाग हमेशा के लिए कम हो जाए।

आगे की स्थिति को देखते हुए कई अन्य कारकों को भी ध्यान में रखना होगा। पेट्रोलियम उत्पादक देशों के संगठन (ओपेक) की स्थिति पहले से ही मुश्किल में थी क्योंकि 1970 के दशक में इसकी स्थापना के बाद कुछ ऐसे देश बड़े तेल निर्यातक बन गए जो ओपेक का हिस्सा नहीं थे जैसे अमेरिका। इस साल की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात ने ओपेक से बाहर होने का फैसला किया। इससे सऊदी अरब के प्रभुत्व वाले इस समूह की भविष्य में तेल की कीमतें तय करने की क्षमता काफी कम हो जाती है। फिर भी कीमतों पर ओपेक का पर्याप्त प्रभाव बना हुआ है। उसके पास एक ऐसा लक्ष्य है जो वैश्विक बाजार में तेल की संतुलित कीमत को प्रभावित करता है। लेकिन वह लक्ष्य क्या है? संभवतः वह सऊदी अरब की आंतरिक राजनीति की आगे की दिशा से तय होगा।

हालाँकि प्राथमिकता उन विभिन्न तरीकों को आगे बढ़ाने की होगी जिनके जरिये सऊदी अरब की सरकार अपने नागरिकों तक आया पहुंचाती है क्योंकि राजनीतिक स्थिरता काफी हद तक उसके कल्याणकारी राज्य के विस्तार पर निर्भर हो सकती है। सऊदी अरब को अपना बजट संतुलित करने के लिए तेल की कीमत कितनी रखनी चाहिए इस बारे में अनुमान बहुत अलग-अलग हैं। वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान था कि यह कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल होनी चाहिए। 2024 में उसी संस्था ने इसे 100 डॉलर के करीब माना, जबकि 2025 में आईएमएफ का अनुमान 90 डॉलर प्रति बैरल था। इस संभावना को भी ध्यान में रखना होगा कि तेल के कुछ अन्य स्रोतों से फिर से उत्पादन शुरू हो जाए। यदि ईरान के साथ कोई समझौता होता है तो जाहिर है कि बाजार में केवल होर्मुज स्ट्रेट के जरिये अरब देशों का तेल बाहर आने की स्थिति ही नहीं बनेगी, बल्कि ईरान के तेल क्षेत्रों में भी उत्पादन उस स्तर तक पहुंच सकता है, जो एक दशक से अधिक समय से नहीं देखा गया है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः की सार्थक अभिव्यक्ति है सहजयोग ध्यान पद्धति



भारतीय दर्शनशास्त्र समूचे विश्व में आध्यात्मिक ज्ञान के लिये -प्रसिद्ध है। प्राचीन काल से अनेक देशों के विद्वान भारत में पहुँचे और इस योग भूमि में आकर उन्होंने अध्यात्मिकता की जड़ें खोज निकालीं। उस अध्यात्मिकता का सार है आत्मतत्व। हम सभी एक ही चेतनतत्व से बने हैं। परम-पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारे चेतनतत्व से ,आत्मतत्व से, ही परिचित कराता है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त

साधक इस ज्ञान को अपने मज्जा तंत्र पर जानता है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, आत्मानुभूति एक सुंदर अवस्था है। जब आपको आत्मबोध हो जाता है, तो आपका पूरा तन, मन, सबकुछ एकीकृत हो जाता है और इसके बाद आप जो कुछ भी करते हैं, वह आनंद प्रवाहित करता है। इसलिए जब आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति लिखता है तो वह चैतन्यरूपी आनंद उसकी लेखनी में आता है, मूर्ति बनता है तो वह मूर्ति फैलित हो जाती है,अंग वर वीज बोता है, तू है उसकी खेती की सारी फसल चैतन्य से आंदोलित होती हैं । अब यह सब बहुत विलक्षण है। यह एक मात्र चीज है, जिसे आपको हासिल करना है, बेकार के चमत्कारों की ओर आकर्षित न हों। अपने आत्मा के चमत्कारों को माँगे। जब आत्मा की अभिव्यक्ति हो है तब आप आश्चर्यचकित हो जायेंगे कि आप कितना सुंदर महसूस करते हैं, और कितनी सुंदरता से आप इसे कार्यान्वित करते हैं।

हमारे सारे उपनिषद् इस आत्म तत्व का ही चिर्तन और मनन करते हैं। इसे सहजयोग ध्यान को अनुभूति से जाना जा सकता है। उपनिषद्कार कहते हैं, सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात्, सर्वे पृथ्वीतल पर विराजमान सभी मानव सुखी, निरायम और आनंदपूर्ण बनें। उनके तीनों तापों की अर्थात्, अधिदैविक ,अध्यात्मिक और अधिभौतिक तापों की निवृत्ति हो जाये ,और वे दुःख के भागीदार न बने।

सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह साधक आध्यात्मिक स्वरूपी माँ कुंडलीन के प्रकाश में अपने आपको जानने लगता है। नियमित ध्यान से यह शक्ति उसके शारीरिक, मानसिक और भवनात्मक पीड़ा का शमन करती है। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सभी प्रकार की आपदाओं से भी बचाया जाता है, दिनों-दिन उसका चित्त आत्मसाक्षात्कार के आनंद मे तल्लीन होकर वह बहुत गुणात्मक और उच्च कोटि का आध्यात्मक जीवन व्यतीत करता है। आपको भी अगर इस आनंद का एक भाग बनना है ,तो आज ही सीखें सहजयोग ध्यान ।

किसान की पहचान अगर जमीन के कागज से होती है, तो खेत में पसीना बहाने वाली महिला कौन है? यही सवाल महाराष्ट्र के महिला किसान अधिकार आन्दानन %महाराष्ट्र महिला किसान सशक्तिकरण अभिनियम, 2026% ने उठाया है। यहां जमीन पुरुष के नाम है, लेकिन खेती का बड़ा हिस्सा महिला संभालती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार राज्य की कृषि कार्यशक्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है, जबकि भूमि स्वामित्व में उनका हिस्सा करीब 15 प्रतिशत है। ये आंकड़े उस विरोधाभास को उजागर करते हैं, जिसमें श्रम महिला का है और किसान की पहचान पुरुष के नाम। नया कानून कहता है कि किसान होने की कसौटी केवल जमीन का मालिकाना नहीं, खेती में किया गया वास्तविक श्रम भी हो सकता है। यह प्रशासनिक सुधार नहीं, किसान की परिभाषा में बुनियादी बदलाव है।

अब किसान कहलाने के लिए जमीन का मालिक होना जरूरी नहीं—खेती में सक्रिय होना पर्याप्त हो सकता है। 18 वर्ष से अधिक आयु की वह महिला, जो एक मौसम भी फसल उत्पादन या कृषि-संबंधी गतिविधि में सक्रिय रही है, महिला किसान प्रमाणपत्र की पात्र हो सकती है। इसमें खेती के साथ डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कट, रेशम और वन उपज भी शामिल हैं। प्रमाणपत्र ग्रामसभा के प्रस्ताव पर नामित अधिकारी जारी करेगा। राष्ट्रीय किसान नीति, 2007 ने महिला किसानों की पहचान और अधिकारों की दिशा दिखाई थी, लेकिन ऐसा राज्य-स्तरीय प्रयोग सामने नहीं आया था। महाराष्ट्र ने अब उसे प्रशासनिक रूप देने की पहल की है। सबसे बड़ा

चुनाव आयोग के विवाद पर विराम

पिछले दिनों एक अंग्रेजी दैनिक की इस खबर ने यह जो हंगामा खड़ा कर दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कई निर्णयों से दो अन्य चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने असहमति जताई थी और दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव से अपनी शिकायत भी दर्ज कराई थी, उसे चुनाव आयोग की ताजा बैठक ने शांत करने का भी काम किया और उन सवालों के जवाब भी दिए, जो उक्त खबर को लेकर उठे थे और जिनके आधार पर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ-साथ मुद्दी सरकार पर निशाना साधने में जुट गया था। चूँकि चुनाव आयोग की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दोनों मुख्य चुनाव आयुक्त भी शामिल हुए, इसलिए इन अफवाहों पर विराम भी लगा कि तीनों में अनबन है। इस बैठक के बाद जारी प्रेस व्रज़िषि से यह साफ हुआ कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को जो चिट्ठी लिखी थी, वह आयोग की किसी नीति से संबंधित नहीं, बल्कि आयोग में डेपुटेशन पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थी।

प्रेस व्रज़िषि में यह भी स्पष्ट किया गया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे आम सहमति से लिए गए। चुनाव आयोग ने यही बात पिछले दिनों भी कही थी। उस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से लिए जाते हैं या फिर बहुमत से। जहां तक असहमति की बात है तो किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान मतभेद होना स्वाभाविक है। इन मतभेदों को तूल देने का कोई औचित्य नहीं बनता था, लेकिन ऐसा ही किया गया। चुनाव आयोग की ताजा प्रेस व्रज़िषि यह भी बता रही है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की ओर से कथित तौर पर फार्म-6 में बदलाव को लेकर आपत्ति जताने की बात सही नहीं थी। इसका आधार इसलिए भी नहीं बनता था, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुए एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि फार्म-6 में जो अतिरिक्त घोषणाएं जोड़ा गया, वह वैध हैं। आखिर जिस बदलाव को सुप्रीम कोर्ट ने वैध और आवश्यक माना, उसे लेकर कोई चुनाव आयुक्त आपत्ति कैसे जता सकता था?

चुनाव आयोग का एक प्रमुख काम देश के हर योग्य मतदाता को वोट देने के लिए अधिकृत करना और अयोग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना भी है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि मौजूदा मतदाता सूचियों में अनेक ऐसे नाम हैं, जो या तो कहीं स्थानांतरित हो चुके हैं या फिर जिनका निधन हो चुका है। इसी तरह तमाम नामों का दोहराव भी है। मतदाता सूचियों में अनेक नाम घुसपैठियों के भी हैं। यह एक तथ्य है कि पिछले दशकों में देश में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई है और घुसपैठियों ने छल-छद्म से आधार एवं अन्य दस्तावेजों के अलावा मतदाता पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं।

—धनंजय राजौरा

बदलाव यह है कि खेत में काम करने वाली भूमिहीन महिलाएं भी किसान पहचान पा सकती हैं, जो जमीन अपने नाम न होने के कारण अब तक सरकारी व्यवस्था में अदृश्य थीं।

पहचान का असली मूल्य तब है, जब वह बंद दरवाजे खोल दे। महिला किसान प्रमाणपत्र का उद्देश्य इसी पहचान को ऋा, फसल बीमा, सब्सिडी, कृषि योजनाओं, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच में बदलना है। यानी जो महिला अब तक खेत में श्रमिक मानी जाती थी, उसे आर्थिक व्यवस्था में किसान के रूप में जगह मिले। इसके लिए राज्य महिला किसान कोष, डिजिटल डेटाबेस, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली सशक्तीकरण परिषद और जिला स्तर पर सहायक अधिकारियों की संस्थागत व्यवस्था की गई है। क्योंकि अधिकार कानून की किताब में नहीं, उसके अमल में जीवित रहता है। प्रमाणपत्र से बैंक तक, बैंक से ऋा तक और ऋा से उत्पादन तक रास्ता खुले—तभी किसान की पहचान वास्तविक आर्थिक शक्ति बनेगी।

नाम बदलने से कभी-कभी पूरी जिंदगी का अर्थ बदल जाता है। महिला के हाथ में किसान प्रमाणपत्र आते ही सरकारी दफ्तर में उसकी पहचान किसी किसान की पत्नी या परिवार की महिला नहीं, स्वयं किसान की होगी। यह बदलाव छे़टा नहीं है। पहचान आत्मविश्वास देती है और आत्मविश्वास निर्णय की ताकत बढ़ाता है। कृषि संकट को हम मौसम, कर्ज, लागत और बाजार से जोड़कर देखते हैं, लेकिन उसके भीतर महिलाओं के श्रम की अदृश्यता का संकट भी है। जिस मेहनत का सरकारी रिकॉर्ड में नाम नहीं, वह स्वतंत्र आर्थिक शक्ति कैसे बने?

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है।

जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाओं तक बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक केचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही है, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख ‘भारतीय दिल खतरे में’ और हृदय स्पांसे से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, अस्तोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को

बेमौसम बरसात, पर्यावरण असंतुलन का परिणाम

जलवायु परिवर्तन का अर्थ केवल तापमान का बढ़ना नहीं है। तापमान बढ़ने के साथ वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ती है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैरनल के अनुसार, मानव गतिविधियों से बढ़ने वाली ग्रीनहाउस गैसों का वैश्विक स्तर पर भूमि क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षण की तीव्रता बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान है। वैज्ञानिक आकलन यह भी बताते हैं कि तापमान में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस वृद्धि के साथ वायुमंडल की अधिकतम नमी धारण क्षमता लगभग सात प्रतिशत बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप जब वर्षा होती है तो कम समय में अधिक पानी गिरने की संभावना बढ़ती है।

भारत जैसे विशाल और विविध जलवायु वाले देश में इसका प्रभाव और अधिक जटिल दिखाई देता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार भारत की लगभग 80 प्रतिशत वार्षिक वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से जुड़ी होती है। मानसून के दौरान वर्षा का वितरण स्वाभाविक रूप से असमान रहता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने की चिंता व्यक्त की गई है। अत्यधिक वर्षा कुछ ही घंटों में स्थानीय बाढ़, शहरी जलभराव, भूखंडलन और कृषि तथा आधारभूत संरचनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

बेमौसम बरसात को केवल आसमान की अचानक बदलती हुई स्थिति समझना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे अनेक प्राकृतिक और मानवीय कारण एक साथ काम कर सकते हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि, समुद्र के तापमान में बदलाव, वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन और स्थानीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते शहर, कंक्रीट का विस्तार, जल निकासी क्षेत्रों पर अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक जलस्रोतों का निवेश वर्षा के पानी को जमीन में समाने से रोकते हैं। फलतः सामान्य वर्षा भी कई बार असामान्य संकट का रूप ले लेती है।

पर्यावरण के प्रति चेतना ही भविष्य की सखा प्रकृति का अपना एक अनुसाधन है। श्रुओं का बदलना, बादलों का आना, वर्षा का होना, नदियों का बहना, पेड़ों का

महाराष्ट्र का कानून इसी अनदेखे श्रम को पहचान और रिकॉर्ड देने की कोशिश है।

किसान की पहचान और जमीन का मालिकाना—दो अलग अधिकार हैं। महिला किसान प्रमाणपत्र से जमीन उसके नाम नहीं होगी, उत्तराधिकार स्वतः नहीं मिलेगा और भूमि अभिलेख भी नहीं बदलेंगे। इसलिए यह कानून भूमि सुधार का विकल्प नहीं है। आलोचना यही है कि महिलाओं को पहचान मिली, लेकिन संपत्ति का पुनर्वितरण नहीं हुआ। यह सीमा है, पर कानून को निरर्थक नहीं बनाती। जमीन के स्वामित्व का प्रश्न अपनी जगह है और खेती में महिला के वास्तविक श्रम को मान्यता देने का प्रश्न अपनी जगह। दोनों को एक-दूसरे का विकल्प मानना सही नहीं है। यह सीमा है, पर कानून को निरर्थक नहीं बनाती। जमीन का असली मूल्य तब है, जब वह बंद दरवाज

कानून की असली परीक्षा कागज पर नहीं, गांव की चौपाल पर होगी। ग्रामसभा गिण्यक्ष रही तो यह व्यवस्था जमीन पर उतरेगी; पक्षपात हुआ तो नए प्रमाणपत्र के बावजूद महिलाओं की पुरानी अदृश्यता बनी रहेगी। डिजिटल डेटाबेस पारदर्शी और आवेदन सरल होना जरूरी है। अधिकारियों को भी समझना होगा कि ग्रामीण महिला सरकारी प्रक्रिया की भाषा से कम, खेती की भाषा से अधिक परिचित है। यदि प्रमाणपत्र के लिए उसे फिर उन्हीं कागजी अड़चनों से रूजुरना पड़ा, जिन्होंने उसे अब तक व्यवस्था से बाहर रखा, तो कानून का उद्देश्य कमजोर होगा। पहचान पहला कदम है; उसे दुरुपयोग से बचाकर वास्तविक लाभ तक पहुंचाना अगली और बड़ी चुनौती है।

महाराष्ट्र ने सवाल अपने लिए उठाया है, लेकिन

जवाब पूरे देश को देना है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्यों में भी खेतों की रीढ़ महिलाओं का श्रम है। भूमि व्यवस्था भले अलग हो, श्रम और स्वामित्व के बीच की दूरी लगभग हर जगह है। अब दूसरे राज्यों को तय करना होगा कि किसान की पुरानी परिभाषा थामे रहे या खेती की वास्तविकता के अनुसार उसे बदलें। केंद्र भी इस मॉडल को राष्ट्रीय ढांचे में अपनाने पर विचार कर सकता है। कई राज्य महिला किसान की स्वतंत्र पहचान स्वीकार करते हैं तो राष्ट्रीय किसान नीति, 2007 की दिशा को व्यावहारिक आधार मिलेगा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2026 को महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के कारण इस पहल की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

कानून की सफलता प्रमाणपत्रों से नहीं, बदली जिंदगी से मापी जाएगी। क्या महिला तय कर पाएगी कि कौन-सी फसल बोनी है? क्या बाजार और कीमत पर उसकी आवाज होगी? क्या खेती की आय पर उसका नियंत्रण बढ़ेगा? क्या वह अपने नाम ऋा लेकर उत्पादन बढ़ा सकेगी? यदि प्रमाणपत्र मिल गया, लेकिन खेती के फैसले दूसरों के हाथ में रहे, तो सशक्तीकरण अधूरा रहेगा। महाराष्ट्र ने बीज बो दिया है; अब उसे सिंचाई, बाजार और संस्थागत सहारे की जरूरत है। दूसरे राज्यों को भी यह बीज रोपना होगा। भारतीय कृषि का भविष्य केवल जमीन के कागजों में नहीं, उन हथों में भी है जिनके पसीने से खेत हरा होता है। महाराष्ट्र का कानून पहली बार उसी अनदेखे हाथ को कानूनी पहचान देने की कोशिश है।

—प्रो. आरके जैन

छे़टा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और शरी से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतुप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से करना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पड़तियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल

बढ़ना और हवाओं का चलना—ये सब पृथ्वी के उस प्राकृतिक संतुलन का हिस्सा हैं, जिसने करोड़ों वर्षों से जीवन को सुरक्षित रखा है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में मौसम के स्वभाव में जिस तरह के परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं माने जा सकते।

कई बेमौसम बारिश हो रही है, कहीं अल्प समय में अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है, तो कहीं लंबे समय तक वर्षा का अभाव दिखाई देता है। गर्मी के दिनों में अचानक बारिश और मानसून के दौरान असामान्य वर्षा की घटनाएं अब सामान्य अनुभव का हिस्सा बनती जा रही हैं। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि पर्यावरण के साथ मनुष्य के संबंधों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का समय आ गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 2025 की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट बताती है कि 2015 से 2025 तक के ग्यारह वर्ष रिकॉर्ड पर सबसे गर्म ग्यारह वर्ष रहे। वर्ष 2025 वैश्विक स्तर पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा और उसका औसत तापमान 1850इं1900 के औसत से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट यह भी बताती है कि महासागरों की ऊष्मा, समुद्र-स्तर और पृथ्वी के ऊर्जा अस्तुलन जैसे संकेतक चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा कर रहे हैं। शहरों में यह समस्या विशेष रूप से दिखाई देती है। जिन स्थानों पर कभी तालाब, झील, नाले और खुले मैदान बने थे पानी को अपने भीतर समाहित कर लेते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें, सड़कें और कंक्रीट की सतहें हैं। बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय तेजी से सड़कों पर बहता है। नालियां अपनी क्षमता से अधिक पानी संभाल नहीं पाती और कुछ घंटों की बारिश शहर को जलभराव में बदल देती है। इसलिए पर्यावरणीय असंतुलन केवल जंगलों या पहाड़ों की समस्या नहीं है; यह हमारे घर, सड़क, शहर और रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ा हुआ प्रश्न है।

पर्यावरण विशेषज्ञों की चिंता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि जलवायु परिवर्तन के साथ अत्यधिक वर्षा और सूखे की स्थितियां एक-दूसरे के विपरीत होते हुए भी एक ही जलवायु तंत्र का हिस्सा बन सकती हैं। क्षेत्र क्षेत्र में कम समय में अत्यधिक वर्षा हो सकती है और दूसरे क्षेत्र में लंबे समय तक सूखा पड़

चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के व्यापक और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य के व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को ‘हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान’ जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक नि:शुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए ‘हैल्दी हार्ट’ कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं।

दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं।

विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूपपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं।

हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंश्लित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं।

विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

—ललित गर्ग

सकता है। विश्व पर्यावरण ऑर्गेनाइजेशन की 2025 की रिपोर्ट में भी दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में असामान्य रूप से अधिक और कम वर्षा की स्थितियों तथा बाढ़, सूखे और अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं के व्यापक प्रभावों का उल्लेख किया गया है।

इस संकट का एक बड़ा कारण हमारी विकास-दृष्टि भी है। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति की कीमत पर हो, लंबे समय में समाज के लिए भारी पड़ सकता है। जंगलों को काटकर सड़कें और इमारतें बनाई जा सकती हैं, लेकिन जंगल द्वारा प्रदान की जाने वाली वर्षा नियंत्रण, मिट्टी संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता की सेवाओं का निर्माण किसी मशीन से नहीं किया जा सकता। एक पेड़ केवल लकड़ी का स्रोत नहीं है; वह हवा को शुद्ध करता है, तापमान को नियंत्रित करता है, मिट्टी को बचाता है और अनेक जीवों को आश्रय देता है।वैश्विक स्तर पर भी स्थिति अत्यंत अलोक्य और व्यापक कार्रवाई की मांग करती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की 2025 के अनुसार वर्तमान नीतियों के आधार पर इस तरी में वैश्विक तापमान वृद्धि लगभग 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि देशों की मौजूदा र्णद जलवायु प्रतिक्र

प्रदूषण केवल फेफड़ों ही नहीं, शरीर के अन्य अंगों को भी करता है प्रभावित : विशेषज्ञ

ICAAICON 2026 का समापन, 500 से अधिक विशेषज्ञों ने एलजी, अस्थमा और आधुनिक उपचार पर किया मंथन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, एस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी एवं अमलतास यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 24 से 27 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ICAAIICON 2026 का शनिवार को समापन हुआ। करीब साढ़े तीन दिन चले सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक, शोधार्थी एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में एलर्जी, अस्थमा, वायु प्रदूषण, आधुनिक जांच तकनीक और उपचार के नवीनतम तरीकों पर विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया।

समापन समारोह में अमलतास रूपा के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया ने सम्मेलन में पथारे पद्मश्री डॉ. दिगंबर बेहरा, पद्मश्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ICAAI अध्यक्ष डॉ. सुरेश कूलवाल तथा सचिव डॉ. राज कुमार सहित केन्द्रीय वैज्ञानिक एवं कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठ विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों, आयोजकों एवं देशभर से आए विशेषज्ञों ने सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में अमलतास यूनिवर्सिटी के



कुलपति डॉ. आर.के. सिंह तथा कॉलेज डीन डॉ. ए.के. पीठवा सहित अनेक विशेषज्ञ मौजूद रहे। आयोजन अमलतास एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रदूषण सालभर की समस्या, केवल दिल्ली तक सीमित नहीं- सम्मेलन में वायु प्रदूषण पर चर्चा करते हुए मेदांता हॉस्पिटल से डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि देश का 58 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र प्रदूषण से प्रभावित है। प्रदूषण को केवल दिल्ली या उत्तर भारत की समस्या मानना उचित नहीं है। पिछले वर्ष कई अवसरों पर मुंबई की एयर क्वालिटी भी दिल्ली से खराब रही। उन्होंने कहा कि प्रदूषण अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे वर्ष स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली समस्या है। प्रदूषित हवा का असर केवल फेफड़ों तक

सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रदूषक रक्त के माध्यम से शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकते हैं। गर्भवती महिलाओं और गर्भवस्थ शिशु पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। सचिव डॉ. राजकुमार ने कहा कि सांस की हर बीमारी एलर्जी नहीं होती है। उत्तर भारत की तुलना में फिजिहाल इंदौर की स्थिति बेहतर है।

ऑर्गनाइजेशन चेयरमैन डॉ. सलिल भागव ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य एयर पॉल्यूशन सहित उन कारणों पर चर्चा करना था, जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने और एलर्जी बढ़ने में भूमिका निभाते हैं। आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण और एलर्जी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता और रोकथाम पर जोर देना जरूरी है।

ऑर्गनाइजेशन सेक्रेटरी डॉ. अभय गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में देशभर से चिकित्सक और विशेषज्ञ शामिल हुए। एक विशेष कार्यशाला में एलर्जी की पहचान, जांच और उपचार की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि ICAAI के 60वें राष्ट्रीय सम्मेलन को इंदौर में अमलतास यूनिवर्सिटी के साथ आयोजित करना गौरव का विषय है। सम्मेलन का उद्देश्य देश-दुनिया के

विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और युवा शोधकर्ताओं को एक मंच उपलब्ध कराना था, जहां अस्थमा एवं एलर्जी के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध, जांच तकनीकों और उपचार के व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके।

जयपुर के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. सुरेश कूलवाल को एलर्जी एवं थ्रसन चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए ICAAI Life Time Achievement Award 2026 से सम्मानित किया गया।

आमजन से विशेषज्ञों ने किया सीधा संवाद- स्मारिका विमोचन के बाद होटल मैरियट इंदौर के जोड़िएक हॉल में विशेष जन-जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आमजन से सीधे संवाद करते हुए एलर्जी, अस्थमा, त्वचा, फूड एवं ड्रग एलर्जी तथा मौसमी एलर्जी से जुड़े सवालों के जवाब दिए। बदलते मौसम, धूल, परागकण, डस्ट माइट्स, खान-पान और दवाओं से होने वाली एलर्जी से बचाव के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रखा गया। विशेषज्ञों ने कहा कि एलर्जी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर चिकित्सकीय सलाह और उचित जांच कराना जरूरी है।

सेना भर्ती रैली की तैयारियों का अधिकारियों ने लिया जायजा



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 17 अक्टूबर 2026 से 02 नवंबर 2026 तक कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम, देवास में सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती रैली के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

इसी क्रम में भर्ती रैली की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए गत दिवस को भर्ती स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेना भर्ती कार्यालय के श्री संजय शर्मा, ब्रिगेडियर श्री मोहित कुमार जैन, सब मेजर श्री धनश्याम जी नेगी, श्री विजेन्द्र बिजोलिया, प्रभारी उपसंचालक, उज्जैन एवं प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी, देवास द्वारा संयुक्त रूप से भर्ती स्थल का दौरा किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, भर्ती प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं, प्रवेश एवं आवागमन व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं का जायजा लिया। साथ ही नवीन भर्ती नियमों के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालन करने के संबंध में आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

भर्ती रैली के सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा एवं भर्ती प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक समन्वय एवं व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

किसान धर्मेन्द्रसिंह राजपूत को मिला सम्मान



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि क्षेत्र में नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और किसानों को जागरूक करने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए मुख्यमंत्री से सम्मानित किसान धर्मेन्द्रसिंह राजपूत को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। आलू की खेती, उत्पादन बढ़ाने और इसके प्रचार-प्रसार को लेकर आयोजित कार्यक्रम में राजपूत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। धर्मेन्द्रसिंह राजपूत ने किसानों को आलू की बोवनी से पहले मिट्टी परीक्षण और बीजोपचार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे फसल का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है और आलू की फसल में बीमारियों का प्रकोप कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आलू की खेती में स्पिंक्लर और टपक सिंचाई पद्धति उपयोगी है। इन सिंचाई तकनीकों से पानी की बचत के साथ फसल को आवश्यकतानुसार सिंचाई उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने किसानों से संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विनीत जैन (प्रबंध निदेशक), प्रमोद कुमार पांडे, साक्षी जैन (प्रमुख डिजिटल मार्केटिंग) और गिरिराज कुशवाह (एग्रोनोमिस्ट) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवांकुर सखी विमल नागर, निशा यादव, माया नागर, निशा धाकड़ और लाखनसिंह राजपूत का भी सम्मान किया।

शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

‘विकसित भारत, मेरे सपनों का भारत’ विषय पर विद्यार्थियों ने रंगों और ओजस्वी वाणी से साझा किए अपने सपने

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास में जन संकल्प अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विधायक मनोज चौधरी, राय सिंह संधेव, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, श्री राजेश यादव, बहादुर मुकती, शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में जिले के 350 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने ‘विकसित भारत, मेरे सपनों का भारत’ विषय पर अपनी कल्पनाओं और विचारों को चित्रों के माध्यम से



अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों की भव्य प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा।

कार्यक्रम में जिले के छः विकासखंडों से भाषण प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी ओजस्वी वाणी में ‘विकसित भारत, मेरे सपनों का

भारत’ विषय पर अपने विचार एवं भविष्य के भारत के सपने साझा किए। विद्यार्थियों ने शिक्षा, तकनीक, स्वच्छता, पर्यावरण, रोजगार, आत्मनिर्भरता एवं देश के विकास से जुड़े अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दौरान भाषण प्रतियोगिता के 4 विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना रहा। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों और विचारों के माध्यम से विकसित भारत की कल्पना को जीवंत रूप प्रदान किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन

मंत्री परमार ने बच्चों एवं माताओं से किया आत्मीय संवाद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार के मुख्य आतिथ्य में रविवार को शुजालपुर के फ़ीर्गज राधकगंज आंगनवाड़ी केंद्र 20/1 में -आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन के साथ किया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के -मन की बात- कार्यक्रम के 138 वे एडिशन एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का एलईडी के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में मंत्री परमार ने आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित बच्चों एवं माताओं



के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान मंत्री परमार ने माताओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं दैनिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली गई। मंत्री ने बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनकी गतिविधियों में सहभागिता की। इस दौरान बच्चों

की मासूमियत और उत्साह ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान बच्चों को खिलोने की किट वितरित की गई। मंत्री परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे हमारे समाज और राष्ट्र का भविष्य हैं। उनके स्वास्थ्य शरीर, संस्कारित मन और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रारंभिक वर्षों में विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और संस्कारों से जोड़ने का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सेवा और सहभागिता की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना और सहयोग पहुंचाना तथा जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है।

ग्राम दिल्लोद-सुतारपुरा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम संपन्न, हितग्राहियों का स्वागत कर किया पौधारोपण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम दिल्लोद-सुतारपुरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में गोपालसिंह , धनालाल एवं तेजसिंह मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ी लाडली बहनों, लाडली लक्ष्मी बालिकाओं और मातृ वंदना योजना के सदस्यों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर अतिथियों



ने उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों द्वारा सामूहिक रूप से पौधारोपण किया गया तथा रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में अंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोमल शर्मा, हंसा ठाकुर, कोमल ठाकुर, हवाबाई एवं आशा कार्यकर्ता काजल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प यात्रा का श्यामपुर में भव्य एवं आत्मीय स्वागत

सोहो/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बड़नगर से वाराणसी के लिए निकाली जा रही ‘जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा’ का श्यामपुर पहुंचने पर ग्रामीणों, युवाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा भव्य और आत्मीय स्वागत

किया गया। यात्रा में शामिल यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर यात्रा के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय , श्यामपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

यात्रा के उद्देश्य और सेवा, जनसंवाद तथा जनभागीदारी के संदेश के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को सामाजिक सहभागिता, जनकल्याण और सेवा के कार्यों से जुड़ने के लिए जागरूक किया गया। यात्रा के माध्यम से लोगों को समाजहित में सक्रिय भागीदारी निभाने और सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान बजाए गए डीजे ने शनिवार रात शहर में एक बड़ा हदसा कर दिया। डीजे की तीव्र ध्वनि और उससे उठे कंपन को चौबे मार्ग स्थित एक मकान की छत सहन नहीं कर सकी और उसका एक हिस्सा भरभराकर नीचे आ गिरा। गनीमत रही कि घटना के वक्त मकान में मौजूद बुजुर्ग महिला दूसरे कमरे में थीं, जिससे उनकी जान बच गई।

टीवी बंद कर बैठी थीं, तभी हुआ धमाका यह हादसा शुजालपुर के जाने माने साहित्यकार स्वर्गीय शरद राव देशमुख के निवास पर हुआ। हादसे में

बाल-बाल बचीं उनकी पत्नी एवं भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी डॉ. अभिजीत देशमुख की माताजी शैलजा देशमुख ने बताया कि शनिवार रात वे घर में टीवी देख रही थीं। सड़क से गुजर रहे विसर्जन चल समारोह में बज रहे

डीजे का शोर इतना अधिक था कि पूरा मकान कांप रहा था। परेशानी के चलते उन्होंने टीवी बंद कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद पास के कमरे से जोरदार धमके की आवाज आई। जब वे वहां पहुंचीं, तो देखा कि छत का एक बड़ा हिस्सा नीचे गिरा हुआ था।

देवास में डी-मार्ट पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं एफएसएसआई की संयुक्त कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग एवं मानक प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने देवास स्थित डी-मार्ट का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्रवाई की। अभिलिखित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्रीमती निर्मला सोमकुंवर के साथ एफएसएसएआई के सेंट्रल खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेश बैरवा एवं जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती हिमाली सोनपाटकी के संयुक्त दल द्वारा डी-मार्ट देवास का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दल द्वारा लट्ठ तथा सोहन पापड़ों के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसके साथ ही डी-मार्ट परिसर में संचालित रेस्टोरेंट की जांच कर वहां से आइसक्रीम मिक्स एवं चीज स्प्रेडल सीजनिंग के नमूने भी लिए गए। एफएसएसएआई के सेंट्रल खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बैरवा ने बताया कि संबंधित काजू के कणों की निम्नता की इकाई इंदौर में स्थित है, जिसकी अलग से सघन जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान संग्रहित किए गए चारों नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अभिनियम 2006 के तहत विश्लेषण हेतु नोटिफाइड प्रयोगशाला भेजा गया है।

आंगन मिलन सेवा’ का आगाज, आंगनवाड़ी केंद्रों पर गूंजी ‘मन की बात’, सजी पोषण प्रदर्शनी



पर सम्मान सम्मेलन आयोजित कर प्रतिभावान बेटियों, माताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहयिकाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत नवजात शिशुओं एवं द्वितीय प्रसव पर जन्मी बालिकाओं का भी विशेष सम्मान हुआ।

आज और कल हंगी ये गतिविधियां- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कामिनी सिंह, रेणुका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सशक्त आंगनवाड़ी, समृद्ध बचपन और स्वस्थ समाज के संकल्प को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से जिले में रविवार से तीन दिवसीय ‘आंगन मिलन सेवा’ अभियान की उत्साहपूर्वक शुरुआत हुई। सेवा संकल्प अभियान के तहत 27 से 29 सितम्बर तक चलने वाले इस विशेष आयोजन के पहले दिन नगर के वार्ड क्रमांक 4, 5, 6/1, 6/2, 7/2, 8/2 एवं 10/3 के आंगनवाड़ी केंद्रों पर उत्सव जैसा माहौल रहा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कामिनी सिंह, रेणुका गौर, अफसाना, शाइस्ता, रेहाना, यास्मीन और

तस्लीम ने कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री जी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण से किया। इसके तुरंत बाद केंद्रों पर उपस्थित महिलाओं और बच्चों को मोबाइल व टीवी के माध्यम से मुख्यमंत्री जी की विशेष अपील का वीडियो दिखाया गया। घर के बने पौष्टिक भोजन की दी प्रेरणा- आयोजन का मुख्य आकर्षण शाजापुर जिले का नवाचार घर में पकायेगे- घर का खायांये रहा। इस थीम पर कार्यकर्ताओं द्वारा आकर्षक पोषण प्रदर्शनी लगाई गई और बच्चों व माताओं को स्थानीय स्तर पर तैयार पौष्टिक स्वल्पाहार वितरित किया गया। साथ ही केंद्रों

सड़क पर घायल पड़े युवक के लिए देवदूत बनी एंबुलेंस, समय पर अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के पायलट की संवेदनशीलता और तत्परता का एक सराहनीय मामला सामने आया है। किसी अन्य केस के लिए जाए रही एंबुलेंस के स्टाफ ने रास्ते में घायल पड़े एक युवक को देखकर तुरंत वाहन रोका और उसे समय पर अस्पताल पहुंचाकर भर्ती करवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अरनिया खुर्द निवासी अभिषेक मेवाड़ा पिता राजू मेवाड़ा रविवार को

सड़क मार्ग पर घायल अवस्था में गिरे हुए थे। इसी दौरान अवन्तीपुर बड़ोदिया लोकेशन की एंबुलेंस दूसरे केस के लिए वहां से गुजर रही थी। रास्ते में युवक को घायल पड़ा देख एंबुलेंस के पायलट कृष्णपाल वर्मा ने बिना समय गंवाए घायल अभिषेक को एंबुलेंस में शिफ्ट किया और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करते हुए तुरंत सिविल अस्पताल शुजालपुर पहुंचाया, जहां युवक को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया है। एंबुलेंस पायलट की इस मुस्मदी और समय पर लिए गए निर्णय की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

डीजे के शोर और कंपन से भरभराकर गिरी मकान की छत, बुजुर्ग महिला बाल-बाल बचीं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान बजाए गए डीजे ने शनिवार रात शहर में एक बड़ा हादसा कर दिया। डीजे की तीव्र ध्वनि और उससे उठे कंपन को चौबे मार्ग स्थित एक मकान की छत सहन नहीं कर सकी और उसका एक हिस्सा भरभराकर नीचे आ गिरा। गनीमत रही कि घटना के वक्त मकान में मौजूद बुजुर्ग महिला दूसरे कमरे में थीं, जिससे उनकी जान बच गई।

टीवी बंद कर बैठी थीं, तभी हुआ धमाका यह हादसा शुजालपुर के जाने माने साहित्यकार स्वर्गीय शरद राव देशमुख के निवास पर हुआ। हादसे में

देवास में डी-मार्ट पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं एफएसएसआई की संयुक्त कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग एवं मानक प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने देवास स्थित डी-मार्ट का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्रवाई की। अभिलिखित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्रीमती निर्मला सोमकुंवर के साथ एफएसएसएआई के सेंट्रल खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेश बैरवा एवं जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती हिमाली सोनपाटकी के संयुक्त दल द्वारा डी-मार्ट देवास का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दल द्वारा लट्ठ तथा सोहन पापड़ों के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसके साथ ही डी-मार्ट परिसर में संचालित रेस्टोरेंट की जांच कर वहां से आइसक्रीम मिक्स एवं चीज स्प्रेडल सीजनिंग के नमूने भी लिए गए। एफएसएसएआई के सेंट्रल खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बैरवा ने बताया कि संबंधित काजू के कणों की निम्नता की इकाई इंदौर में स्थित है, जिसकी अलग से सघन जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान संग्रहित किए गए चारों नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अभिनियम 2006 के तहत विश्लेषण हेतु नोटिफाइड प्रयोगशाला भेजा गया है।



है और वे आज दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं। आजीविका मिशन द्वारा उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय आभार व्यक्त कर रही है।

हितग्राही श्रीमती अनिता गोस्वामी ने बताया कि वर्ष 2028 से आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़ी हैं। वे 5 वर्ष पूर्व म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम एनाबाद ब्लॉक सोनकच्छ में समूह से जुड़ी। वे बताती हैं कि सबसे पहले जय गुरुदेव आजीविका स्व सहायता समूह सदस्य बनीं। वे बताती हैं कि समूह से जुड़ने के पश्चात ऋण लिया और ऋण से खेती के कार्य उपयोग किया, जिससे उन्हें अच्छी कमाई हुई। इसके पश्चात उन्होंने समूह के माध्यम 2 लाख रुपए से अधिक का ऋण लिया, जिससे उन्होंने पशुपालन एवं कृषि कार्य और बढ़ाया। आज वे प्रतिमाह 17 से 18 हजार रुपए महीने की कमाई कर रही हैं।

जिला महामंत्री महिला मोर्चा भाजपा बनने पर स्वागत किया एवं उपस्थित महिला मोर्चा की ललिता चौहान निमिषा आर्य का भी स्वागत किया। श्रीमती सीमा रावल ने मन की बात एपिसोड के बारे में बताया कि इस कार्यक्रम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं एवं बहुत सी जानकारी मिल जाती है उसे जानकारी से महिलाएं कार्य आरंभ कर और भी महिलाओं को रोजगार दे रही हैं जिससे जीविका आसानी से चल सके एवं महिलाएं आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार की स्थिति मजबूत कर रही हैं आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं जिससे परिवार की स्थिति मजबूत हो रही है नगर मंडल महामंत्री संतोष राव ने युवाओं से अपील की वे नशे से दूर रहे एवं हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए नशा मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं जिससे युवा नशे से दूर रहे। जून जाकरी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने दी।

शाही मस्जिद विवाद पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई, अदालत की ओर नजरें

चौड़ीकरण की जद में आ रही मस्जिद, विरोध में शनिवार रात से जुटा मुस्लिम समाज- मस्जिद के बाहर बैरिकेडिंग, पुलिस-आरएएफ तैनाती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच गोपाल मंदिर मार्ग के चौड़ीकरण की जद में आ रही शाही मस्जिद को लेकर विवाद गहरा गया है। मस्जिद हटाने की संभावित कार्रवाई के विरोध में शनिवार रात से ही मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में मस्जिद के अंदर और बाहर जुट गए। रविवार को भी लोगों का जमावड़ा बना रहा और विरोध में नारेबाजी होती रही। प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया है। मस्जिद के सामने बैरिकेड लगाए गए हैं और पुलिस के साथ आरएएफ की तैनाती की जा रही है।

अब पूरे मामले में सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट की युगलपीठ में होने वाली सुनवाई अहम हो गई है। मुस्लिम समाज की ओर से

एकलपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए युगलपीठ में अपील दायर की गई है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन कोर्ट का समय समाप्त होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब सोमवार को इस मामले की सुनवाई प्रस्तावित है।

17 दिन पहले खारिज हुई थी याचिका, अब युगलपीठ में चुनौती- सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ मुस्लिम समाज पहले हाईकोर्ट की एकलपीठ में पहुंचा था। करीब 17 दिन पहले एकलपीठ ने याचिका निरस्त कर दी थी। इसके बाद समाज ने इस आदेश को चुनौती देते हुए युगलपीठ में अपील प्रस्तुत की है। शुक्रवार को सुनवाई नहीं होने के बाद अब सोमवार की तारीख पर सभी की नजरें टिकी हैं।

इधर प्रशासन सिंहस्थ की तैयारियों को

देखते हुए चौड़ीकरण की प्रक्रिया में ज्यादा देरी के पक्ष में नहीं है। ऐसे में रविवार रात या सोमवार सुबह धार्मिक स्थल को हटाने की कार्रवाई शुरू होने की संभावना के बीच मस्जिद के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। हालांकि, कार्रवाई का स्वरूप और समय प्रशासन की ओर से स्पष्ट नहीं किया गया है।

कंठाल से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण का मामला- प्रशासन के अनुसार सिंहस्थ-2028 में उज्जैन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में शहर के प्रमुख मार्गों को यातायात के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। कंठाल से गोपाल मंदिर तक का मार्ग शहर के व्यस्त और अपेक्षाकृत संकरे रास्तों में शामिल है। सिंहस्थ के दौरान भीड़ और यातायात के दबाव को कम

करने के लिए इस मार्ग का चौड़ीकरण प्रस्तावित है। नगर निगम के अनुसार सड़क चौड़ीकरण मास्टर प्लान और निर्धारित नियमों के तहत किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया में शाही मस्जिद भी प्रभावित क्षेत्र में आ रही है।

अब सोमवार के आदेश पर टिकी नजर- एक तरफ सिंहस्थ की समयबद्ध तैयारियों के कारण प्रशासन चौड़ीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर मस्जिद को बचाने की मांग को लेकर मुस्लिम समाज हाईकोर्ट पहुंच गया है। शुक्रवार को सुनवाई नहीं हो पाने के बाद सोमवार को होने वाली सुनवाई इस पूरे विवाद में अगला महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। इसी के बाद आगे की कार्रवाई को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

दोहरे हत्याकांड में फरार 2 आरोपियों को मारी गोली गिरफ्तारी के दौरान भागने का किया था प्रयास, एक पर दर्ज हैं 14 अपराध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गोरकर परिवार के दो भाइयों की हत्या में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने रात में गिरफ्तार किया दोनों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस पर हमला कर दिया पुलिस ने दोनों को पकड़ने के लिए गोली चलाई। बदमाश घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि 18 जुलाई की रात नीलगंगा चौराहा पर पासी परिवार के बदमाशों ने गोरकर परिवार के रेस्टोरेंट और घर पहुंच कर हमला कर दिया था। लोकेश और उसके भाई जय को गोली मारी गई थी। वहीं चाचा दिहू पलवान उर्फ दिलीप गोरकर और तपन गोरकर पर तलवार से हमला किया था। लोकेश और जय की मौत हो गई थी। मामले में 20 से अधिक हमलावरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया था। दोहरे हत्याकांड में फरार चल रहे दो आरोपियों की सूचना मिलने के बाद रात को



पुलिस टीम द्वारा करोहन में दबिश दी। सोनू पिता विजयबहादुर पासी 32 वर्ष, निवासी जबरन कॉलोनी और विजय उर्फ छोट्टे पिता सीताराम सूर्यवंशी 21 वर्ष, निवासी जबरन कॉलोनी उज्जैन को गिरफ्तार किया गया। दोनों ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो दोनों ने हमला कर दिया जिसके

चलते पुलिस द्वारा आत्मरक्षा के लिए गोली चलाई गई। दोनों के पैर में गोली लगी रात में ही चरक अस्पताल लाया गया। सुबह दोनों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर थाने ले जाया गया है। दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। थाना प्रभारी के अनुसार दोहरे हत्याकांड में अब तक 17 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है कुछ आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

बदमाश सोनू पर दर्ज हैं 14 प्रकरण- पुलिस के अनुसार दोहरे हत्याकांड में शामिल आरोपी सोनू पासी के खिलाफ पूर्व में भी शहर के अलग-अलग थानों में 14 अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। दूसरे आरोपी विजय उर्फ छोट्टे के खिलाफ भी तीन प्रकरण दर्ज होना सामने आए हैं। दोहरे हत्याकांड में पासी परिवार का सरगना रोशन पासी है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास भी किया जा रहे हैं। अब भी मामले से जुड़े तीन से चार आरोपी खराब चल रहे हैं।

नरवर में रात को सूने मकान पर चोरों का धावा



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर से 15 किलोमीटर दूर नरवर में बीती रात चोरों ने सूने मकान पर धावा बोला और ताले तोड़कर आभूषणों के साथ कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात के बाद पुलिस को फुटेज मिले हैं जिसमें तीन से चार बदमाश दिखाई दे रहे हैं।

नरवर थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ़ इंडिया के पास वाली गली में पुराना मरर इंडिया स्कूल के पास इरशाद कुरैशी के मकान में देर रात चोरी हो गई। कुरैशी परिवार इंदौर में रहने वाली बेटी के यहां गया हुआ था आज सुबह आसपास के लोगों ने मकान का ताला टूटा देखा तो परिवार को सूचना दी। इंदौर से लोटे परिजनों बताया कि बदमाश सोने चांदी के आभूषण और कुछ कीमती सामान चुरा कर ले गए हैं। चोरी की जानकारी मिलने पर पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गए जिसमें तीन से चार बदमाश दिखाई दिए हैं जिनके चेहरे पर नकाब बंधा हुआ था बदमाशों के हाथ में कुछ औजार भी दिखाई दे रहे थे, जो पैदल आए थे। पुलिस द्वारा फुटेज के आधार पर बदमाशों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं वहीं क्षेत्र में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी देखे जा रहे हैं। जिले में पिछले कुछ महीनों से चोरों की गैंग घूम रही है शहर के कई थाना क्षेत्र में भी चोरी होना सामने आ चुका है पूर्व में भी बदमाशों की गैंग के फुटेज पुलिस को मिले थे लेकिन अब तक वारदात करने वालों का पता नहीं चल पाया है आशंका जताई जा रही है कि चोरी करने वालों की गैंग बाहरी है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जी जामवाल ने ‘सेवा संकल्प अभियान 2026‘ के अंतर्गत उज्जैन में संभागीय बैठक को किया संबोधित’

सामाजिक समरसता और सेवा भाव के साथ अभियान को ऐतिहासिक बनाने में जुटें कार्यकर्ता’

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री व महाराष्ट्र के संगठन मंत्री श्री अजय जामवाल ने रविवार को स्थानीय श्रीगंगा होटल में ‘सेवा संकल्प अभियान’ को लेकर आयोजित उज्जैन संभागी की संभागीय बैठक को संबोधित किया । इस अवसर पर सांसद व संभागा प्रभारी श्रीमती लता वानखेड़े, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्य सभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ जी महाराज, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल जाटवा, ग्रामीण जिला प्रभारी बबोता परमार, जिला प्रभारी बजरंगलाल पुरोहित, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल मंचासीन रहे।

संभागीय बैठक का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत् पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत संभाग के सभी भाजपा जिला अध्यक्षगणों द्वारा किया गया। स्वागत भाषण नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने दिया ।

मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार संभागीय बैठक को मार्गदर्शित करते हुए मध्यप्रदेश के पूर्व क्षेत्रिय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि हमें ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा और जनभागीदारी से जोड़ते हुए सामाजिक समरसता एवं संगठन के सेवा भाव को और मजबूत करना है। अभियान



के सभी कार्यक्रमों में समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ कार्यकर्ता आपसी समन्वय और प्रभावी कार्ययोजना के साथ जुटें। भारतीय जनता पार्टी के लिए सत्ता सेवा का माध्यम है। कार्यकर्ता जन-जन से निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखते हुए समाज की आवश्यकताओं को समझें और उनके समाधान की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के अंतर्गत प्रदेशभर में सेवा, जनभागीदारी, रचनात्मकता, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। सभी कार्यकर्ता यात्राओं को ऐतिहासिक और जनभागीदारी का माध्यम बनाने के लिए जुटें।

श्री जामवाल ने कहा कि ‘सेवा संकल्प यात्रा’ भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजर रही

हमारा शरीर लघु ब्रह्मांड के रूप में है, इसे स्वस्थ रखना हमारी जिम्मेदारी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि परमात्मा की कृपा से हमारा शरीर स्वयं में एक लघु ब्रह्मांड के रूप में है। मां के गर्भ से आने के बाद हमारा शरीर पल-पल बदलता रहता है। शरीर की यही विशेषता है कि हम केवल आंखों से ही नहीं, बल्कि शरीर के विभिन्न अंगों और स्पर्श के माध्यम से भी चीजों को अनुभव कर पहचान सकते हैं। शरीर को स्वस्थ एवं निरोग रखने में नियमित व्यायाम और योग का विशेष महत्व है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

शनिवार को दशहरा मैदान पर आयोजित पंच मैराथन दौड़ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर स्वयं योगासन भी किए और उपस्थित प्रतिभागियों एवं योग साधकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उज्जैन में भगवान महाकाल विराजमान हैं, उसी प्रकार हमारे शरीर में भी एक महाकाल का वास

है। बाबा महाकाल को जानने और अनुभव करने के लिए हमें अपने भीतर की यात्रा करनी होगी। उन्होंने कहा कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन के साथ साक्षी गोपाल के दर्शन का भी विशेष महत्व है। शिव और विष्णु दोनों का स्मरण एवं आराधना करने से दोनों देवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति और पेड़ों से ऑक्सीजन प्राप्त होती है, इसलिए

पेड़ लगाना और प्रकृति की रक्षा करना भी हमारा धर्म है। स्वस्थ शरीर के लिए जिस प्रकार योग और व्यायाम आवश्यक हैं, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण भी जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा ने हमारे शरीर के अंश को अमरता का आशीर्वाद दिया है, जो कूल, वंश और गोत्र के रूप में पीढ़ियों तक प्रचलित रहता है। श्राद्ध पक्ष के दौरान हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि पितरों के स्मरण एवं उनकी कृपा

प्राप्त करने के लिए देश में गयाजी, प्रयागराज और उज्जैन का शिप्रा तट पर स्थित श्री सिद्धवट विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

इन पवित्र स्थानों पर आकर लोग अपने पूर्वजों के निमित्त पूजा-अर्चना कर उनका स्मरण करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन की आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया में अकतिका नगरी जैसा दूसरा कोई नगर नहीं है, जिसे चारों ओर से नदी ने घेरा है।

ई-रिक्शा समेत 28 तरह के वाहनों की फिटनेस अब आरटीओ में ही होगी

एटीएस की मनमानी पर रोक, ई-रिक्शा सहित कृषि व निर्माण वाहनों को मैनुअल फिटनेस की छूट



एटीएस पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

ई-रिक्शा मालिकों को सबसे ज्यादा राहत- एटीएस व्यवस्था लागू होने के बाद ई-रिक्शा मालिकों के सामने फिटनेस कराने की समस्या लगातार बनी हुई थी। कई मामलों में संबंधित वाहन श्रेणी पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाती थी। इससे वाहन ट्रांसफर जैसे काम भी अटक रहे थे। अब ई-रिक्शा को मंत्रालय की सूची में शामिल किए जाने से आरटीओ में मैनुअल फिटनेस संभव होगी।

मूविंग इंक्रिपमेंट, कमर्शियल पावर टिलर, डंपर, कमर्शियल एक्सकेवेटर, कमर्शियल कंस्ट्रक्शन इंक्रिपमेंट वाहन, निजी उपयोग के ट्रेलर, कृषि उपयोग के ट्रेलर, व्यक्तिगत उपयोग के ट्रेलर, ई-रिक्शा (डब्ल्यू), ई-रिक्शा (पी), कमर्शियल ट्रैक्टर, पुलर ट्रैक्टर, ट्रेलर, हॉर्टिकल्चर ट्रेलर, कमर्शियल ट्रेलर, कमर्शियल ट्रैक्टर-ट्रॉली, कमर्शियल सेमी-ट्रेलर और मॉड्यूलर हाइड्रोलिक ट्रेलर शामिल हैं।

21 साल बाद उज्जैन की सड़कों पर लौटी सार्वजनिक बस सेवा, सीएम ने किया ई-बस में सफर

उज्जैन दर्शन के लिए 10 ई-बसें शुरू, 200 रुपए में 27 किमी के धार्मिक स्थलों की यात्रा- एक टिकट से पूरे रूट पर जारी रख सकेंगे सफर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार उज्जैन में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था ने फिर रफ्तार पकड़ ली। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकाल लोक के अन्धक्षेत्र पार्किंग परिसर से पीएम ई-बस सेवा और उज्जैन दर्शन सेवा का शुभारंभ किया। खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री स्वयं ई-बस में यात्री बने और बस में सफर कर नई सेवा का जायजा लिया। करीब 21 साल बाद शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवा दोबारा शुरू हुई है।

उज्जैन दर्शन के लिए फिलहाल 10 ई-बसें संचालित होंगी। श्रद्धालु और पर्यटक 200 रुपए के टिकट पर शहर के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की सैर कर सकेंगे। दर्शन के लिए किसी निर्धारित स्थान पर उतरने के बाद यात्री उसी टिकट से अगली उपलब्ध बस में बैठकर आगे की यात्रा जारी रख सकेंगे। यानी एक टिकट में पूरे दर्शन रूट का सफर किया जा सकेगा।

27 किमी के रूट में प्रमुख मंदिर और धार्मिक स्थल- उज्जैन दर्शन ई-बस का करीब 27.01 किमी लंबा रूट मेघदूत वन पार्किंग से



शुरू होगा। यहां से बस महाकाल लोक, हरसिद्धि मंदिर, क्षिप्रा नदी, ऋष्यकुंक्षर महादेव, भर्तृहरि गुफा, गढ़कालिका, कालभैरव, सिद्धवट, अंगारेश्वर, मंगलनाथ, सांदीपन आश्रम, भूछी माता, चिंतामण गणेश, अष्ट विनायक, शनि नवग्रह और इस्कॉन मंदिर होते हुए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद बस वापस मेघदूत वन पार्किंग लौटिगी।

बसें में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए लाइव सीसीटीवी, जीपीएस ट्रैकिंग, डिजिटल टिकटिंग और यूपीआई भुगतान की सुविधा रहेगी। यात्रियों को धार्मिक स्थलों की

जानकारी देने के लिए बस में डिजिटल असिस्टेंट सह उज्जैन दर्शन गाइड भी उपलब्ध रहेगा।

12 रूट पर दौड़ेंगी सिटी बसें- उज्जैन दर्शन के साथ शहर की नियमित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी विस्तार दिया गया है। इसके लिए 12 सिटी बस रूट तय किए गए हैं। इनमें तपोभूमि-पानिबहार, रेलवे स्टेशन-कालियादेह महल, कानिपुरा-अभिलाषा कॉलोनी, देवास गेट-तपोभूमि, देवास गेट-ताजपुर, देवास गेट-नया आरटीओ, महाकाल चौराहा-अभिलाषा कॉलोनी, देवास गेट-नानाखेड़ा, अबतिका विश्वविद्यालय-नानाखेड़ा, देवास गेट-मुरलीपुरा, तपोभूमि-नजरपुर और उज्जैन दर्शन रूट शामिल हैं।

21 साल से खाली था सार्वजनिक परिवहन का स्थान- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि करीब 21 साल पहले राज्य परिवहन निगम की बसें चलती थीं, लेकिन बाद में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बंद हो गई। अब इस कमी को पूरा करने की दिशा में काम शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि शहर के

भीतर बस सेवा के साथ आने वाले समय में एक शहर के दूसरे शहर और एक राज्य से दूसरे राज्य तक बसे सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अब शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि उज्जैन को जल्द मेट्रो ट्रेन की सौगात भी मिलेगी।

172.87 करोड़ के 15 विकास कार्यों की शुरुआत- रविवार को मुख्यमंत्री ने उज्जैन को 172.87 करोड़ रुपए के 15 विकास कार्यों की सौगात भी दी। इनमें 12 कार्यों का भूमिपूजन और तीन कार्यों का लोकार्पण किया गया। नगर निगम से जुड़े प्रमुख कार्यों में गौशाला के लिए 15 विकास कार्यों का गौशाला लोक क्षेत्र में पार्किंग, महाकाल मंदिर परिसर का विकास और क्षिप्रा घाटों का जीर्णोद्धार शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस आवास, थाना भवन, महाकाल मंदिर के पीछे लैंडस्केपिंग और 45 नगरीय वनों के विकास के कार्य भी योजना में शामिल हैं। लोकार्पित कार्यों में नीलगंगा और उन्हेल में पुलिस आवास व थाना भवन तथा बड़नगर में 33/11 केवी उपकेंद्र शामिल हैं।

उज्जैन में शक्कर के 10 थोक व्यापारियों पर स्टॉक की निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शक्कर की उपलब्धता और कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार के निर्देश पर उज्जैन सहित पूरे मध्यप्रदेश में शक्कर के स्टॉक की निगरानी शुरू कर दी गई है। जिले में शक्कर के करीब 10 थोक व्यापारियों को अव हर सप्ताह अपने स्टॉक का हिसाब देना होगा। सरकार ने शक्कर के थोक व्यापारियों और डीलरों के लिए स्टॉक सीमा तय कर दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 19 अगस्त और 3 सितंबर 2026 को शक्कर के स्टॉक नियंत्रण को लेकर नियम जारी किए हैं। इसके तहत थोक उपभोक्ता 19 अगस्त से अधिकतम 10 मीट्रिक टन शक्कर का स्टॉक रख सकेंगे। वहीं शक्कर डीलरों के लिए 15 सितंबर से एक महीने में अधिकतम 2000 किंटल स्टॉक की सीमा तय की गई है। नियमों के अनुसार शक्कर डीलर अधिकतम 30 दिन, जबकि थोक उपभोक्ता अधिकतम 15 दिन का स्टॉक रख सकेंगे। तय सीमा को अवरिधि से ज्यादा शक्कर का भंडारण नहीं किया जा सकेगा। संबंधित स्टॉक को निर्धारित समय में बेचना भी जरूरी होगा। जिला प्रशासन ने सभी शक्कर डीलरों को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर स्टॉक की स्थिति नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। हलवाई, मिठाई विक्रेता, शीतल पेय निर्माता और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को भी अपनी शक्कर की खपत और स्टॉक की जानकारी देनी होगी। सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई गई शक्कर का स्टॉक दुकानों में बिना बिन्नी के रखने पर भी रोक रहेगी। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने संबंधित व्यापारियों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बाजार में शक्कर की उपलब्धता बनी रहे और स्टॉक की गड़बड़ी पर नियंत्रण रखा जा सके।

लेनदेन विवाद में उज्जैन के युवकों ने किया धार के युवक का अपहरण



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लाहों के लेनदेन में उज्जैन के 6 युवकों द्वारा धार के युवक का अपहरण कर लिया गया। उज्जैन पुलिस द्वारा युवक को मुक्त कराया गया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर धार पुलिस के सुपुर्द किया।

बताया जा रहा है कि जवाजीगंज क्षेत्र के नामदारपुरा में रहने वाले आसिफ का धार के निवासी अरबाज से 44 लाख रुपए का लेनदेन था अरबाज शेयर मार्फेट का काम करता। उसने आसिफ को घटा होना बताया था। जिसके चलते आसिफ अपने पांच दोस्तों के साथ धार पहुंचा था जहां से उसने अरबाज का अपहरण किया और कार से उज्जैन ले आए। इनके बीच विवाद होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और अरबाज पिता फिरोज निवासी धार के साथ आसिफ और उसके दो साथियों को पृष्टाछा के लिए थाने लाया गया। अरबाज ने बताया कि उसका अपराहन कर उज्जैन लाया गया है। जीवाजीगंज पुलिस ने धार पुलिस से संपर्क किया और जानकारी प्राप्त की तो वहां पर अरबाज के पिता द्वारा अपहरण का प्रकरण दर्ज कराया जाना सामने आया। पुलिस ने अरबाज को मुक्त करने के बाद अपहरण में शामिल आसिफ के साथ इरफान और जफर को हिरासत में लेकर धार पुलिस के सुपुर्द किया। मामले में उज्जैन के ही तीन आरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।